

इंदौर पुलिस का विशेष सर्चिंग अभियान, 749 से अधिक बदमाशों की जांच, 465 पर कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के उद्देश्य से संतोष कुमार सिंह के निदेशन में इंदौर पुलिस द्वारा शुक्रवार देर शाम से शनिवार देर रात तक शहरभर में विशेष सर्चिंग, चेकिंग और पेट्रोलिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने शहर के चारों जोन में हॉटस्पॉट और शैडो एरिया में विशेष निगरानी रखते हुए 749 से अधिक बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों की जांच की, जिनमें से 465 के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई।

अभियान का संचालन एडिशनल कमिश्नर मयंक अवस्थी तथा एडिशनल कमिश्नर आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों



के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल ने शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में गुंडे-बदमाशों और अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की।

पुलिस ने विभिन्न मामलों में वांछित 143 वारंट तामील कराए, जिनमें 30 स्थाई, 55 गिरफ्तारी और 58 जमानती वारंट शामिल हैं। वहीं शराब पीकर वाहन चलाने

वाले 178 वाहन चालकों के विरुद्ध 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि सड़क पर लोगों की जान जोखिम में डालने वाले लापरवाह चालकों पर अंकुश लगाया जा सके।

अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर अवैध मादक पदार्थों का सेवन करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं आदतन अपराधियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए कुल 65 बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों पर समसं तामील किए गए।

इंदौर पुलिस ने हॉटस्पॉट और शैडो एरिया में ड्रोन पेट्रोलिंग भी की। इस दौरान

160 हॉटस्पॉट, 79 मल्टियों और 136 शैडो एरिया की जांच की गई। पुलिस ने 149 गुंडे-बदमाशों, 67 चाकूबाजों, ड्रग पैडलरों, 34 जिलाबंदर बदमाशों तथा महिला संबंधी अपराधों और वाहनों में आगजनी एवं तोड़फोड़ में संलिप्त अपराधियों सहित कुल 329 से अधिक संदिग्धों को चेक किया। इनमें से 45 संदिग्धों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें भविष्य में अपराध नहीं करने की चेतावनी दी गई। पुलिस के अनुसार अभियान के दौरान कई फरार अपराधी भी पुलिस गिरफ्त में आए हैं, जिनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

प्रमुख चौराहों एवं लेफ्ट टर्न का आयुक्त ने किया निरीक्षण, यातायात सुधार के लिए निर्देश



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव और प्रमुख चौराहों पर लगने वाले जाम की समस्या के निराकरण के उद्देश्य से

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शनिवार को शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों एवं लेफ्ट टर्न का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, कार्यपालन यंत्री पी.एस. कुशवाह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने रसोमा चौराहा, चंद्रगुप्त चौराहा, हाई कोर्ट चौराहा, लैंड्यु क चौराहा, मृगनयनी चौराहा, कृषि कॉलेज चौराहा तथा महेंद्र शौक्लम चौराहा सहित अन्य प्रमुख स्थानों का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यातायात की वर्तमान स्थिति, आवागमन के दबाव, लेफ्ट टर्न की उपयोगिता तथा यातायात संचालन में आ रही बाधाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन स्थानों पर लेफ्ट टर्न बाधित हो रहे हैं या अवैध निर्माण, अतिक्रमण, अस्थायी अवरोध, विद्युत पोल अथवा अन्य कारणों से यातायात प्रभावित हो रहा है, वहां तत्काल कार्रवाई कर बाधाओं को हटाय जाए। उन्होंने कहा कि प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न सुचारु रूप से संचालित होने से यातायात का दबाव कम होगा और नागरिकों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी। आयुक्त श्री सिंघल ने यातायात प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए चौराहों पर रोड मार्किंग, संकेतिक बोर्ड, डिव्हाइडर व्यवस्था तथा ट्रैफिक मूवमेंट के अनुसार आवश्यक सुधार कार्य प्राथमिकता के आधार पर करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

इंदौर शहर के मेट्रोपॉलिटन रीजन का दायरा बढ़ने के बाद सर्वे शुरू, गजट नोटिफिकेशन का हो रहा इंतजार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर को लेकर बनाई जा रही मेट्रोपॉलिटन रीजन योजना का दायरा लगातार बढ़ता गया है। पहले जहां योजना इंदौर और आसपास के सीमित क्षेत्र तक थी, वहीं अब इसमें कई नए क्षेत्र और जिले भी शामिल किए गए हैं।

ऐसे में उज्जैन जिले को भी सेंटर में रखते हुए उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन नाम कर दिया गया और बीते माह इसकी अथॉरिटी का गठन भी किया जा चुका है। अब बड़े क्षेत्र को शामिल कर इंदौर के साथ उज्जैन को सेंटर में रखते हुए नए सिरे से सर्वे शुरू किया जा रहा है। सभी जिलों से डाटा बुलाया जा चुका है। हालांकि अभी भी मेट्रोपॉलिटन रीजन के क्षेत्र का गजट नोटिफिकेशन नहीं हुआ, जबकि एजेंसियां सर्वे कार्य शुरू कर चुकी है।

इंदौर में परीक्षा के दौरान शिक्षक की पिटाई करने वाले डीएवि के छात्र का होगा निष्कासन, एफआइआर की मांग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर के एक छात्र द्वारा शिक्षक की पिटाई के विरोध में शिक्षक-कर्मचारी संघ के साथ छात्र संगठन भी एक हो गए हैं। गुस्सा को तक्षशिला कैंपस के स्कूल आफ ट्राइबल स्टडीज में एमए की परीक्षा के दौरान छात्र ने विभागाध्यक्ष के सामने एक शिक्षक को पीट दिया था। विभाग ने मामले पर प्रकरण दर्ज नहीं करवाया। साथ ही अब तक संबंधित छात्र के खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं हुई। इस पर देवी अहिल्या विवि के शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ और छात्र संगठनों ने विरोध जताया है।



शिक्षकों ने आरोप लगाया कि दो वर्ष में कैंपस में लगातार गुंडगर्दी बढ़ी है।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (देवता) के अध्यक्ष डा.लक्ष्मण शिंदे, अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष डा.सुरेश पाटीदार ने कैंपस में ही शिक्षक को छात्र द्वारा पीटने को गंभीर घटना

बताया। विवि कुलपति को शिकायत करते हुए दोनों संघों ने मांग की कि संबंधित छात्र को तुरंत प्रभाव से निष्कासित किया जाना चाहिए। यदि अब भी विवि प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो ऐसे तत्वों के हौसले बढ़ेंगे। यह शिक्षकों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला अब तक का सबसे गंभीर

घटनाक्रम है। इस बीच शिक्षक संघ ने एक महिला शिक्षक द्वारा की गई शिकायत भी साझा की है। शिक्षिका ने आरोप लगाया है कि दो साल से विश्वविद्यालय में गुंडगर्दी बढ़ रही है। मैने भी शिकायत की थी लेकिन पूर्व में ऐसी घटनाओं पर विवि प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की इसलिए ऐसे लोगों के अब हौसले बढ़ रहे हैं।

रतलाम मंडल ने अप्रैल में अर्जित किया 3.41 करोड़ का रिकॉर्ड राजस्व



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने अप्रैल 2026 में टिकट चेकिंग अभियान के तहत 3.41 करोड़ का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित कर नई उपलब्धि हासिल की है। यह मंडल के इतिहास में अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों में शामिल है। रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस वृत्तिसि के अनुसार टिकट चेकिंग स्टाफ ने औसतन प्रतिदिन 11.37 लाख का राजस्व

अर्जित किया। यह मार्च 2022 में बने 3.31 करोड़ के पिछले रिकॉर्ड से लगभग 3 प्रतिशत अधिक है। विशेष रूप से 29 अप्रैल 2026 को 16.56 लाख की एकल-दिवसीय सर्वाधिक आय दर्ज की गई, जो अब तक का नया रिकॉर्ड है। पश्चिम रेलवे मुख्यालय के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक तरुण जैन ने इस उपलब्धि पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं रतलाम मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ की सराहना की है। मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार ने इस सफलता का श्रेय वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हिना चौ. केवलरामानी सहित पूरी टीम के नेतृत्व, समर्पण, टीमवर्क और निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि टीम भविष्य में भी इसी उत्साह और निष्ठा के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह उपलब्धि रतलाम मंडल की कार्यकुशलता और बेहतर प्रबंधन को दर्शाती है तथा पूरे पश्चिम रेलवे के लिए प्रेरणास्रोत साबित होगी।

रेलिंग से टकराकर 35 फीट नीचे गिरी युवती, युवक की भी मौत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुपर कारिडोर पर एक दर्दनाक हादसे में युवक-युवती की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक ब्रिज की रेलिंग से टकराई और बाइक चला रही युवती करीब 35 फीट नीचे जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि युवक का सिर फट गया और उसने भी दम तोड़ दिया। दोनों बीपीओ कंपनी में काम करते थे और देर रात घूमने निकले थे। टीआई सियारासिंह गुर्जर के मुताबिक घटना शुक्रवार रात करीब 2 बजे की है।

सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स: इंदौर की मेट्रो बनी जश्न का मंच, जन्मदिन पार्टी के लिए हुई पहली बुकिंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। करोड़ों रुपये लगाकर प्रायोरेटी कारिडोर पर इस उम्मीद से मेट्रो का संचालन शुरू किया गया था कि इंदौर की उत्सवी जनता मेट्रो के सफर का आनंद लेने पहुंचेगी, लेकिन लोगों ने उम्मीद के अनुसार रुझान नहीं दिखाया।

ऑपरेशनल घाटे और कम यात्री संख्या से उबरने के लिए मेट्रो में नया प्रयोग सेलिब्रेशन आन व्हील्स शुरू किया। इस पहल के तहत मेट्रो में जन्मदिन समारोह मनाने की पहली बुकिंग प्राप्त हुई है। यह



आयोजन रविवार को होगा, जिसमें 50 मेहमानों के लिए एक मेट्रो कोच एक घंटे आनंद के लिए आरक्षित किया गया है। यह ट्रेन छह किमी लंबे सुपर प्रायोरेटी कारिडोर पर गांधी नगर स्टेशन से सफर कारिडोर स्टेशन नंबर-3 तक संचालित होगी। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मदर्स डे के अवसर पर शहर में आयोजित "Mother India – Shakti on Wheels" महिला कार रैली का शुभारंभ इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और समाज में सकारात्मक संदेश देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर पुष्यमित्र



भार्गव ने कहा कि इंदौर की मातृशक्ति यदि रानी लक्ष्मीबाई को आदर्श मानकर आगे बढ़े, तो वह समाज में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। उन्होंने कहा कि शहर की माताएं अपने बच्चों की तरह इंदौर को सुंदर, सुरक्षित और संस्कारित बनाने में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम में Foundation for Drug-Free World India की Executive Director कल्पना शर्मा ने सभी माताओं को समाज को नशामुक्त बनाने के लिए एकजुट होने का संदेश दिया।

उन्होंने उपस्थित लोगों को नशामुक्त जीवन जीने की शपथ

दिलाई तथा जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कल्पना शर्मा ने कहा कि देवी अहिल्या की नगरी इंदौर की मातृशक्ति मिलकर एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने वाले प्रमाणकों को दी गई सख्त हिदायत मकान सूचीकरण पूर्ण करने वाले प्रमाणक हुए सम्मानित

थार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु चार्ज जनगणना अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मनावर द्वारा निर्देश जारी किए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में किसी भी प्रकार की तकनीकी लापरवाही या कार्य में धीमी गति स्वीकार नहीं की जाएगी।

तकनीकी बाधाएं दूर कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश- फील्ड स्तर पर प्रमाणकों को आ रही तकनीकी समस्याओं का तत्काल निराकरण करते हुए चार्ज अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि सभी पर्यवेक्षक निरंतर प्रमाणकों के संपर्क में रहें। जिन प्राणणकों का



कार्य निर्धारित लक्ष्य से पीछे है, उन्हें कार्य में

सूचीकरण के कार्य

तत्काल प्रगति लाने हेतु सख्त चेतावनी व हिदायत दी गई है। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक मकान का सटीक सूचीकरण सुनिश्चित किया जाए। पूर्ण कार्य पर प्रमाणकों का सम्मान-जहाँ एक ओर लापरवाही पर सख्ती दिखाई गई, वहीं दूसरी ओर जिन प्रमाणकों ने सौंपे गए मकान

समय-सीमा में पूर्ण कर लिया है, उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु सम्मानित किया गया। सीएमओ ने कहा कि अन्य प्रणणक भी इनसे प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य को जल्द पूर्ण करें।

जनगणना रथ के माध्यम से नागरिकों को किया जा रहा जागरूक- कार्य की सुगमता और प्रमाणकों को फील्ड में सहयोग दिलाने के उद्देश्य से निकाय परिसर से जनगणना रथ संपूर्ण मनावर क्षेत्र में भ्रमण कर नागरिकों को जनगणना के दौरान सही जानकारी देने और प्रमाणकों का सहयोग करने हेतु जागरूक करेगा। चार्ज जनगणना अधिकारी ने समस्त अमले को निर्देशित किया है कि मकान सूचीकरण का चरण अंतिम समय-सीमा तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए।

इंदौर के लवकुश चौराहे पर लगेगी 400 टन वजनी दूसरी ब्रो स्ट्रिंग, ट्रैफिक डायवर्जन का नया प्लान तैयार



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के सबसे बड़े फ्लाईओवर के मुख्य चौराहे पर चार-चार सौ टन वजनी दो ब्रो स्ट्रिंग ललाई जाना है। चौराहे पर पहली की लॉचिंग सफलता पूर्वक करने के बाद अब दूसरी का निर्माण ऊपर ही शुरू किया गया है। एक माह में

इसका निर्माण पूरा होगा और इसके बाद इसको धकेलकर चौराहे पर रखा जाएगा। इसके साथ ही आइडिए लवकुश चौराहा को नए स्वरूप में तैयार करने के लिए चौराहे से जुड़ी सर्विस रोड को बनाने की तैयारी कर ली है। इसके लिए चौराहे से गुजरने वाले वाहनों का रुट बदला जा रहा

है। शुक्रवार को आइडिए सीइओ डा. परीश्रुत झाडे ने सर्विस रोड निर्माण और यातायात डायवर्जन को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा की थी। यातायात डायवर्जन की सुगम व्यवस्था करने के बाद सर्विस रोड का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। लंबे समय से हो रही परेशानी- लवकुश चौराहा पर पहले मेट्रो का कार्य और बाद में एमआर-10 से सुपर कारिडोर फ्लाईओवर बनाया गया था। अब डबल डेकर फ्लाईओवर बनाया जा रहा है। इसकी वजह से चौराहे और सर्विस रोड की हालत पूरी तरह से खराब हो गई। बीते दो साल से उज्जैन जाने और आने वाले वाहनों को सर्विस रोड पर गहरे गड्ढों, धूल और धीमे ट्रैफिक के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब सर्विस रोड बनाए जाने के दौरान परेशानी उठाना होगी।

इसकी पेरिस्टिंग कर दी गई। अब इस पर स्लैब डाला जाएगा। इसके साथ ही आइडिए लवकुश चौराहा को नए स्वरूप में तैयार करने के लिए चौराहे से जुड़ी सर्विस रोड को बनाने की तैयारी कर ली है। इसके लिए चौराहे से गुजरने वाले वाहनों का रुट बदला जा रहा

ग्राम वीरपुर पाडा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल स्रोत सेवा समायाम संपन्न

थार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद, विकासखंड गंधवानी के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम वीरपुर पाडा में जल स्रोत सेवा समायाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नवांकुर संस्था गंधवानी सामाजिक विकास समिति द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें जल संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयासों पर बल दिया गया।



संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण, संवर्धन एवं स्थानीय जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई को लेकर सभी उपस्थितजनों को शपथ दिलाई गई। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे अपने क्षेत्र के जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने हेतु निरंतर श्रमदान और जागरूकता का कार्य करेंगे। सामूहिक भागीदारी पर जोर- नवांकुर संस्था

व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई। प्रस्फुटन समितियों की रही उपस्थिति- बैठक में विभिन्न ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष एवं सचिवों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी समितियों को अपने-अपने ग्रामों में जल स्रोतों के संरक्षण हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए।

के अध्यक्ष श्री संतोष सांवरा एवं मेंटर श्री राजेश गेहलोत ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जल संचय की प्राचीन पद्धतियों को अपनाने और नए जल स्रोतों के निर्माण हेतु ग्रामीणों को प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम में श्री मंगलसिंह डवर्न द्वारा भी जल संवर्धन के

स्नेह नगर के द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में स्वर्ण कलश व धर्म ध्वजा का आरोहण संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के स्नेह नगर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर परिसर में महिला भक्त मित्र मंडल के तत्वाधान एवं यज्ञाचार्य डॉ. देवेन्द्र शास्त्री (धारियाखेड़ी) के सान्निध्य में आयोजित चार दिवसीय रुद्र महायज्ञ का समापन भव्य कलश और ध्वजा आरोहण के साथ हुआ। 9 मई 2026 को अभिजीत मुहूर्त में मुख्य मंदिर और गुप्तेश्वर मंदिर के शिखरों पर स्वर्ण कलश, धर्म ध्वजा, दंड ध्वजा के साथ नंदीजी, घंटा और शेर चौकी पर शेर स्थापित किए गए। इस धार्मिक अनुष्ठान के संपन्न होने पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण की। यज्ञाचार्य डॉ. देवेन्द्र शास्त्री के निर्देशन में मंदिर के शिखरों पर कलश और ध्वजा आरोहण के लिए बोलियां लगाई गईं। मुख्य मंदिर पर स्वर्ण कलश चढ़ाने का सौभाग्य 3,51,000 रुपये की अंतिम बोली के साथ श्यामलाल शर्मा साबाखेड़ा को प्राप्त हुआ। वहीं,



मुख्य कलश के समीप धर्म ध्वजा और दंड ध्वजा फहराने का अवसर ओमप्रकाश मिश्रा को 2,21,751 रुपये की बोली पर मिला। गुप्तेश्वर मंदिर के शिखर पर कलश आरोहण के लिए प्रह्लाद माहेश्वरी ने 55,555 रुपये की बोली लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। इसी मंदिर पर ध्वजा आरोहण का सौभाग्य मंदिर समिति की अध्यक्ष श्रीमती नीलम मनीष शर्मा को 33,311 रुपये की बोली पर प्राप्त हुआ।

धार्मिक परंपराओं के निर्वहन के क्रम में नवीन स्थापित नंदीजी के कान में प्रथम बार मनोकामना कहने का सौभाग्य कोषाध्यक्ष श्रीमती भावना मनुदीप (बीटू भैया) को 36,111 रुपये की बोली से मिला। प्रथम घंटा बजाने का अवसर शुभम साख संस्था के संचालक प्रेमचंद सिसोदिया (21,121 रुपये) और चौकी पर शेर स्थापित करने का सौभाग्य राजेंद्र व्यास (37,501 रुपये) को प्राप्त हुआ। चार दिवसीय रुद्र महायज्ञ के प्रधान कुंड के यजमान का आशीर्वाद भी श्यामलाल शर्मा को मिला। आयोजन को भव्य बनाने में जजमान संदीप सेठिया, मनोज शर्मा शिवपुरी कैलाश गुप्ता, डॉ नेहा शर्मा पिता मोहनलाल शर्मा, रामनिवास

उदिया अक्षय सूर्यवंशी, गौरव जोशी, कु मिशिका शर्मा विनोद लोहार, सुनील शर्मा, कृष्णा परिहार, श्यामलाल शर्मा, मंगलम अशोक शर्मा प्रेमचंद देवड़ा कार्यकर्ता मनोज माहेश्वरी, संजीव त्रिवेदी ए पी शर्माऔर पंडित सत्यनारायण शर्मा अमलावद का विशेष सहयोग रहा। स्वर्ण कलश आरोहण की पूर्व संध्या पर कलश प्रदायकर्ता दानदाता प्रह्लाद माहेश्वरी एवं धीरज पाठक जी द्वारा कलश नंदी शेर ध्वजा बन्धी में विराजित कर बैड-बाजे के साथ नगर भ्रमण में दर्शन हेतु भ्रमण कराया गया। इस दौरान 51 कलश लिए महिलाएं और महादेव की ध्वजा थामे द्वारपाल ओमप्रकाश मिश्रा व अशोक शर्मा विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। भ्रमण के पश्चात मंदिर में सुंदरकांड का पाठ हुआ और अगले दिन विधि-विधान से कलश स्थापित किए गए। आयोजन महिला मित्र मंडल समिति ने इस सफल आयोजन के लिए सभी दानदाताओं भक्तों एवं इस आयोजन में व्यवस्था करने वालों का आभार व्यक्त किया है।



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना प्रभारी गरोठ उर्न बलवीरसिंह यादव एवं उनकी टीम द्वारा दिनांक 09 मई को सोशल मीडिया पर बंदूक लहराने का वीडियो वायरल करने वाले आरोपियों की पहचान कर उनके कब्जे से 01 देशी कट्टा मय 02 जिन्दा राउण्ड , बिना नम्बर की कारले रंग स्कूपियों गाडी तथा 02 एयर गन को जप्त किया गया। सभी ग्राम खड़ावदा में शराब ठेके के बाहर बंदूक लहरा रहे थे।

घटना का विवरण खड़ावदा शराब की दुकान के सामने कुछ व्यक्तियों द्वारा बन्दुक लहराकर रील बनाने का वीडियो वायरल होने की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी उर्न बलवीरसिंह यादव द्वारा तुरन्त कार्यवाही करते हुए वीडियो मे दिख रहे लोगों की पहचान व तलाश हेतु टीम गठित की गई जो उक्त वीडियो मे दिख रहे व्यक्तियों की पहचान कमल पिता गोपाल सिंह उम्र 32 साल निवासी कुण्डला खुर्द थाना शामाण्ड, विनोद पिता बालाराम उम्र

35 साल निवासी बारामासी थाना गरोठ, बालू उर्फ बालमुकुन्द पिता मानसिंह उम्र 45 साल निवासी बरखेड़ा उदा थाना शामाण्ड के रूप मे हुई।वायरल वीडियो की तस्दीक हेतु उक्त तीनों व्यक्तियों की तलाश करते मुखबरी सूचना के आधार पर सेमरोल गाँव के कच्चे रास्ते से बारामासी नारायणी रोड पर नाकाबंदी कर उक्त तीनों व्यक्तियों के कब्जे से 1 अवैध देशी कट्टा व 2 जिन्दा राउण्ड मिलने पर जप्त किया गया। तथा उनके द्वारा परिवहन हेतु उपयोग मे लाई जा रही बिना नम्बर की कारले रंग की महिन्द्रा स्कूपियों को जप्त कर आरोपीगणों को गिरफ्तार किया गया। थाना वापसी पर गिरफ्तारशुदा आरोपीगणों के विरुद्ध धारा 25,27 आर्मस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। गिरफ्तारशुदा आरोपीगणो से वायरल वीडियो के संबंध में पूछताछ कर उनके कब्जे से 2 एयरगनों को जप्त किया गया। प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

अजाकस की बैठक संपन्न, जिला स्तरीय सम्मेलन एवं युवा संवाद कार्यक्रम होंगे आयोजित



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मप्र अजाकस जिला मंदसौर के तत्वावधान में आगामी जिला स्तरीय सम्मेलन के आयोजन को लेकर 10 मई को महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष प्रह्लाद कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, सामाजिक जागरूकता बढ़ाने एवं संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने पर विस्तार से चर्चा हुई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी

जून माह के प्रथम सप्ताह में प्रांतीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में वृहद स्तर पर जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिलेभर के अधिकारी-कर्मचारी एवं समाजजन सहभागी होंगे।

इसके साथ ही विद्यार्थियों एवं युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला एवं युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु आगामी माह में जिला स्तरीय महिला सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

बैठक में जिला अध्यक्ष प्रह्लाद कुमार सूर्यवंशी, जिला उपाध्यक्ष रामनिवास सूर्यवंशी, जिला सचिव रघुवीर मालवीय, जिला सचिव मनोज कुमार धनिया, जिला संयुक्त सचिव रामलाल जाटव, मंदसौर तहसील अध्यक्ष दिनेश सूर्यवंशी, दिनेश कुमार पंवार, अर्जुन हरोकी, अजा अजजा छात्र संघ अध्यक्ष भुवनेश्वर बोराना आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जिला सचिव मनोज कुमार धनिया द्वारा दी गई।

सिंगोली में गूजेंगे वैदिक मंत्रः श्री राम जानकी श्रीयादे माँ मंदिर का प्राण प्रतिष्ठ महोत्सव 10 मई से, पांच दिवसीय आयोजन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्मनगरी सिंगोली के वीर तेजाजी चौक स्थित नवनिर्मित श्री राम जानकी श्री श्रीयादे माँ मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर उद्घापन का पांच दिवसीय भव्य महोत्सव 10 मई से 14 मई 2026 तक आयोजित होगा। समस्त अखिल भारतीय प्रजापत समाज के तत्वावधान में होने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सभी देवी-देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। आयोजन समिति के स्थानीय पदाधिकारियों ने बताया कि वर्षों की प्रतीक्षा के बाद मंदिर निर्माण पूर्ण हुआ है। मूर्ति स्थापना को लेकर समाजजनों सहित समस्त नगर में हर्ष और उत्साह का माहौल है। नीमच, मंदसौर, कोटा, बिजौलिया,चित्तौड़गढ़, बुंदी,रावतगढ़, बेगु, डबौ,लाम्बाखोह, झालावाड़, क्षेत्र सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से भी श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजन में पंच दिवसीय



महोत्सव का कार्यक्रम तिथि एवं वार समय मुख्य अनुष्ठान विशेष 10 मई 2026, रविवार ज्येष्ठ कृ. अष्टमी प्रातः 11ः15 बजे गणपति स्थापना, मंडप प्रवेश अनुष्ठान का शुभारंभ 11 मई 2026, सोमवार ज्येष्ठ कृ. नवमी प्रातः 9ः15 बजे भव्य कलश शोभायात्रा, वेदी पूजन, यज्ञ प्रारंभ 251 महिलाएं कलश लेकर चलेंगी, 12 मई 2026, मंगलवार ज्येष्ठ कृ. दशमी रात्रि 8ः30 बजे से विशाल भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक बालकृष्ण प्रजापति व

नरेश प्रजापति प्रस्तुति देंगे, 13 मई 2026, बुधवार ज्येष्ठ कृ. एकादशी रात्रि 8ः30 बजे सहस्रधारा महाअभिषेक, रात्रि जागरण 14 मई 2026, गुरुवार ज्येष्ठ शु. द्वादशी दोपहर 12ः15 बजे मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति महाआरती के पश्चात महाप्रसादी शोभायात्रा बनेगी आकर्षण का केंद्र 11 मई सोमवार को प्रातः 9ः15 बजे मंदिर प्रांगण से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। बैड-बाजों, ढोल-नगाड़ों और डीजे के साथ निकलने वाली शोभायात्रा वीर तेजाजी चौक से बस स्टैंड, सदर बाजार, गांधी चौक होते हुए पुनः तेजाजी चौक नवनिर्मित रामजानकी यादे माँ मंदिर पहुंचेगी। समाज के अध्यक्ष ने बताया कि 14 मई को प्राण प्रतिष्ठा के बाद दोपहर 1 बजे से महाप्रसादी का आयोजन होगा जो दोर शाम तक चलेगा। समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। वह समस्त अखिल भारतीय श्री दक्ष प्रजापति समाज इस आयोजन में सर्वसमाज के सभी धर्मप्रेमी महानुभावों को घर घर जाकर सादर आमंत्रित कर है।

भक्तों का कलेजा फटा, भीषण गर्मी में पसीने से तर-बतर हुई साक्षात भादवामाता! सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा की

वैष्णोदेवी नाम से प्रसिद्ध आरोग्य धाम भादवामाता मंदिर से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने भक्तों को झकझोर कर रख दिया है। जहाँ एक ओर भीषण गर्मी से बचाव के लिए कई शक्तिपीठों में विशेष इतजाम

किए गए हैं, वहीं भादवामाता मंदिर के गर्भगृह में व्यवस्थाओं की कमी के चलते आस्थावानों में चिंता देखी जा रही है। वीडियो देख भावुक हुए भक्त-माता के चेहरे पर दिखीं पसीने की बूंदें- सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने श्रद्धालुओं के बीच हलचल मचा दी है। इस वीडियो में माता रानी की प्रतिमा के चेहरे पर पसीने की बूंदें साफ देखी जा सकती हैं। भक्त इसे मां की पीड़ा और साक्षात उपस्थिति मानकर भावुक हो रहे हैं।

गौरतलब है कि क्षेत्र में पारा 45 डिग्री के पार जा रहा है, लेकिन मंदिर के गर्भगृह में गर्मी से राहत दिलाने वाले पर्याप्त संसाधनों की कमी महसूस की जा रही है।

आस्था के केंद्र में संसाधनों की कमी पर उठे सवाल- विराजित माता के दर्शन के लिए दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं में इस बात को लेकर आक्रोश है कि चमत्कारी धाम होने के बावजूद गर्भगृह में कूलिंग की उचित व्यवस्था क्यों नहीं है? भक्तों का कहना है कि जिस धाम से लाखों लोगों की आस्था जुड़ी है, वहां की व्यवस्थाएं इतनी बेहाल क्यों हैं?

बड़ा सवाल- क्या आस्था के इन केंद्रों पर सुविधाओं के नाम पर केवल औपचारिकताएं ही शेष रह गई हैं? आखिर क्यों लाखों भक्तों की आराध्य देवी को इस भीषण तपिश का सामना करना पड़ रहा

मोबाइल फोन लौटाकर नगर पालिका के दिव्यांग कर्मचारियों ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

पूर्व में लौट आई थी सोने की चेन और नोटों से भरा पर्स



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलयुग के इस दौर में जहां पर छोटी छोटी चीजों में ईंसान की नियत बिगड़ जाती है, वहीं ईमानदारी की मिसाल एक बार फिर नगर पालिका के दिव्यांग कर्मचारी शेरू खा ने पेश की। मंदसौर दशपुर नया सवेरा अखबार के संपादक नाहरू खां मेवाती के छोटे भाई शेरू खां मेवाती जो की ट्रेचीगु ग्राउंड नगर पालिका मे कार्यरत है, दिव्यांग कर्मचारी शेरू खां को अपने कार्य पर जाते समय जिला

पंचायत मंदसौर के गेट के यहां से एक मोबाइल फोन मिला। पाँच मिनट रुक कर देखने पर वहा कोई दिख़ा नही तो मोबाइल अपने साथ लेकर चले गये। जानकारी जुटाने के बाद पता चला की मोबाइल फोन कोई कॉलेज के दिव्यांग कर्मचारी शेरू खा ने अपनी ईमानदारी का परिचय देते हुए मोबाइल फोन कॉलेज के प्रिंसिपल आरती रामावत को यशोधर्म नगर थाना पहुंच कर वापस लौटा दिया । पूर्व में ट्रेचीगु ग्राउंड पर अपना कार्य करते समय शेरू खा को एक सोने की चेन मिली थी। इन्होंने मालिक का पता लगातार सोने की चेन भी वापस लौटा दी। पूर्व में हाई सेकेंडरी स्कूल के पास से नोटों से भरा पर्स मिला था, वे उसे लेकर सिटी कोतवाली पहुंचे और पुलिस के हवाले कर दिया। जहां पर उसमें रखे डॉक्यूमेंट के आधार पर पता चला कि यह पर्स नारायणगढ निवासी का है, उन्होंने सिटी कोतवाली में जाकर उसके मालिक का पता लगाकर उसको दे दिया।

फर्जी वसीयत बनाकर बेशकीमती भूमि हड़पने की साजिश, आरोपियों को न्यायालय से सूचना पत्र जारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। फर्जी वसीयतनामा एवं कूटचिंत दस्तावेज तैयार कर परिवारी की बेशकीमती भूमि हड़पने के प्रयास के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नारायणगढ़ ने आरोपियों के विरुद्ध सूचना पत्र जारी किए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवारी मनीष पिता ओमप्रकाश अग्रवाल निवासी पिपलिया मंडी ने न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत कर आरोप लगाया कि ऋषि पिता पंकज गोयल, पंकज पिता ओमप्रकाश अग्रवाल निवासी पिपलिया मंडी सहित साक्षी बाबूलाल पिता प्यारेलाल, अशोक पिता मोडीराम शर्मा, नोटरी अभिभाषक रमेशचन्द्र बुंदीवाल ने षड्यंत्रपूर्वक फर्जी वसीयतनामा एवं कूटचिंत दस्तावेज तैयार कर उनकी बेशकीमती संपत्ति हड़पने का प्रयत्न किया। परिवारी द्वारा न्यायालय के समक्ष भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत परिवाद प्रस्तुत किया गया। साथ ही हस्तलेख विशेषज्ञ की जांच रिपोर्ट भी पेश की गई, जिसमें कथित वसीयतनामा पर मृतका शकुंतला बाई के हस्ताक्षर वास्तविक नहीं पाए गए। न्यायालय ने परिवारी एवं साक्षियों के कथनों, प्रस्तुत दस्तावेजों तथा तर्कों से प्रथम दृष्टया सहमत होते हुए प्रकरण को यूएनसीआर में दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही प्रारंभ करते हुए सूचना पत्र जारी किए। मामले में परिवारी की ओर से अधिवक्ता विनोद गुर्जर, कैलाशचंद्र चौधरी, राहुल चौधरी एवं अनुराग परिहार (बरखेड़ा देव) ने पैरवी की।

संजीत नाका शीतला माता मंदिर का जीर्णोद्धार होगा



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय महारानी लक्ष्मीबाई चौराहा (संजीत नाका) स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर प्रांगण में 10 मई, रविवार को मंदिर समिति की बैठक सम्पन्न हुई। संजीत रोड पर संजीत नाका स्थित इस चमत्कारी मंदिर में शीतला माता की प्रतिमा के साथ माँ दुर्गा एवं बाबा शिव भी विराजित हैं। उल्कृष्ट रोड बनने के बाद प्राचीन मंदिर रोड के समतल होने से वर्षा काल में मंदिर परिसर में पानी का भराव हो जाता है। माता रानी की कृपा से बैटक में निर्णय अनुसार मंदिर का भव्य जीर्णोद्धार कार्य शीघ्र ही प्रारम्भ होगा। बैठक में समाज सेवी गुरुचरण बग्गा, श्रृणग कुमार त्रिपाठी, समिति अध्यक्ष अर्जुन डंबर, संयोजक राजेश गुर्जर, महेश पंवार, रामचन्द्र गुप्ता, सुरेश शर्मा, पं. भंवरलाल पाण्डे उपस्थित थे।

जिला सेन समाज संगठन नीमच के कुशल शिल्पकार

पुर्व जिलाध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी – श्री बंशीलालजी राठौर कनावटी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कुछ चेहरे इतिहास नहीं बनते, इतिहास गढ़ते हैं। कुछ जीवन सिर्फ सपनों का नाम नहीं होते, वे पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन जाते हैं। वैसे ही हमारे बाऊ जी जिनकी हँसी में अपनापन है, आँखों में अनुभव है। आपका जन्म 15 मई 1938, ग्राम कनावटी में स्व. श्री डलुगाम जी घर हुआ। आपके पिताजी बड़े सेवाभावी मिलनसार स्वभाव के धनी थे।

आपने उज्जैन से बी.एड. की डिग्री हासिल की एवं इंदौर के होल्कर साइंस कॉलेज से एम.ए. अर्थशास्त्र जैसी जटिल विषय में डिग्री हासिल की।

33 साल- चौंक-डस्टर वाले हाथों से भविष्य गढ़ने की तपस्या

14 जुलाई 1965 – ब्लैकबोर्ड के सामने खड़े हमारे आदरणीय बाऊजी ने तय कर लिया था कि वह सिर्फ अश्वर नहीं, संस्कार पहाड़ीएँ। आपने बड़े ही कर्तव्य निष्ठ एवं अनुशासित आचरण हमेशा सुसंस्कारित तरीके से अपनी सेवाएं दीं।

जावद में समय-समय पर प्रभारी के रूप बेहतरीन BEO बनकर भरपूर उल्कृष्ट सेवाएं दीं।

सन् 1998 में ADIS(सहायक जिला शाला निरीक्षक) ब्लाक जावद से सेवानिवृत्त हुए, पर रिटायरमेंट के बाद भी आपकी सेवाएं बंद नहीं हुईं हैं। आज भी आप हमें समय-समय पर भरपूर मार्गदर्शन देते हैं।

मैदान के शहशाह, जीवन के राष्ट्रीय धावक- 5000 मीटर की ट्रैक पर जब आप दौड़ते थे, तो

लगता था हौसले के पंख लगे हों। राष्ट्रीय स्तर के धावक, माटी के कुशल पहलवान। फिर उसी जज्बे को आप मैदान से स्कूल तक ले आए। फुटबॉल, हॉकी, खो-खो, कबड्डी – जिला कोच व मैनेजर बनकर आपने बंजर खेतों से ओलांपिकन सपने खोद निकाले।

कुर्सी छोटी थी, किदार बहुत बड़ा - जिला संगठन मंदसौर से विभाजित होने पर जिला सेन समाज संगठन नीमच के प्रथम जिलाध्यक्ष बने, उससे पहले आप सफल जिला सचिव रहे – पर पद ने आपको नहीं, आपने पद को बड़ा किया। आपके अध्यक्षता में सामूहिक विवाह सम्मेलन सफल बनाएं और आप स्वयं भी सामूहिक विवाह सम्मेलन अध्यक्ष रहे। आपने अपने सुपुत्र एवं परिवार जनों का भी सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह कार्यक्रम सामाजिक एकजुटता, समरसता सामनाता का उदाहरण पेश किया।

बाऊजी जैसे कर्तव्यनिष्ठ एवं अनुशासित शिक्षक सेवक विरले ही होते ।

पीठाधीश्वर सेनाचार्य श्री अचलानंद जी गुरुदेव का आशीर्वाद मिला, और आपकी निष्ठा एवं कार्यों की सराहना की। आपका मूलमंत्र- पहले समाज, फिर सब कुछ, आपके मार्गदर्शन ने काफी समाज के युवाओं को उचित मार्गदर्शन मिला एवं शिक्षा विभाग में आज भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

आपके बड़े भ्राता श्री ममलाल जी राठौर आपके पथ-प्रदर्शक रहे। साथ ही आपके भाई साहब सुविख्यात पथवासी कवि,सघ सेवक स्वर्गीय श्री

ताराचंद जी राठौड़ ने जो शिक्षा का दीप जलाया, आपने उसे मशाल बना दिया।

आपके पदचिह्न पर मार्गदर्शन सानिध्य में पोते कर्तव्य/दिनेश जी राठौर नीमच मेडिकल कॉलेज से MBBS कर रहे हैं। यह जाग्रति की मिसाल है।

भीष्म पितामह – नाम यूं ही नहीं मिला जब- जब संगठन लड़खड़िया, आप लाठी नहीं, रीढ़ बनकर खड़े हुए।

तन समर्पित, मन समर्पित, परिवार जन समर्पित और जब जरूरत पड़ी तो अपनी तिजोरी भी खोल दी। दिल तो खैर हमेशा से ही दरियादिल था।

आपने पद पर रहकर पद की गरिमा बढ़ा दी। आज भी आपकी एक मुस्कान युवाओं को जोड़ देती है, एक सलाह रास्ता दिखा देती है।

86 साल की उम्र, 26 साल का जोश - आज मनासा में बैठे हैं, पर पुरे ज़िले में आपकी धड़कन समाज के लिए दिन-रात चलती है।

वरिष्ठ मार्गदर्शक , आशीर्वाददाता, और सबसे बड़े हम सबके बाबूजी।

जिजी बंशीलाल जी, आप व्यक्ति नहीं, चलते-फिरते विश्वविद्यालय हैं।

आपकी कहानी खत्म नहीं होती, हर उस बच्चे में शुरू होती है जिसे आपने पढ़ना सिखाया, हर उस जोड़े में मुस्कुराती है जिसे आपने बसाया।

दुजब समाज बिखरा हुआ था, आपने धागा बनकर उसे माला में पिरोया।

जिला सेन समाज नीमच की एक-एक ईंट आपके पसीने से जुड़ी है।

आपने कुर्सी नहीं, कर्तव्य सँभाला – इसलिए आज संगठन का हर स्तंभ अडिग खड़ा है।

आपकी एक आवाज़ पर गाँव-गाँव से समाज जुड़ता गया, यही आपकी संगठन-शक्ति का प्रमाण है।

प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया का नीमच आगमन, सर्किट हाउस पर जनप्रतिनिधियों ने किया आत्मीय स्वागत



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा नीमच जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया का रविवार को अल्प प्रवास पर नीमच आगमन हुआ। जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वागत-प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के नीमच सर्किट हाउस आगमन पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार, विधायक श्री अनिरुद्ध मारू, पूर्व सांसद श्री सुभाष पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान, जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रभारी मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

इस मौके पर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष श्री राकेश ंपपू- जैन, श्री हेमंत हरित, श्री आदित्य मालू, श्री मेहर सिंह जाट, श्री निलेश पाटीदार, श्री सत्यनारायण गोयल एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

अधिकारियों ने की अगवांनी- प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के नीमच सर्किट हाउस पहुंचने पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसपी श्री राजेश व्यास, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिंह सिसोदिया, सीएसपी सुश्री किरण चौहान, जिला महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अंकिता पंड्या एवं अन्य अधिकारियों ने उनकी आगवांनी कर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर एसडीएम श्री संजीव साहू, सहायक संचालक जनसंपर्क श्री जगदीश मालवीय, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास श्री वैभव बैरागी, एसडीओपी सुश्री निकिता सिंह, तहसीलदार श्री संजय मालवीय, थाना प्रभारी श्री आर.सी. डांगी, श्री अमित सारस्वत, रक्षित निरीक्षक श्री विक्रम सिंह भदौरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, आमजन, कार्यकर्ता एवं पत्रकारण उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने नीमच सर्किट हाउस पर कोर कमेटी की बैठक में भाग लिया।

सम्पादकीय छोटे-छोटे निरंतर प्रयासों से खुलते बड़े सफलता के द्वार

पहले वे आपको नजर अंदाज करेंगे, फिर आप पर हँसेंगे, फिर आपसे लड़ेंगे और अंत में आप जीत जाएंगे। मानव जीवन संघर्ष, परिश्रम, धैर्य और निरंतर प्रयासों की एक लंबी कहानी है। संसार में जितने भी महान व्यक्ति हुए उनकी सफलता किसी एक दिन की चमत्कारी घटना नहीं थी, बल्कि वर्षों तक किए गए छोटे-छोटे सतत प्रयासों का बड़ा परिणाम थी। सफलता का कोई सुगम और सरल नहीं होता। वह धीरे-धीरे तपकर, गिरकर, संभलकर और निरंतर आगे बढ़ने से प्राप्त होती है। जिस प्रकार छोटी-छोटी बूँदें मिलकर विशाल सागर का निर्माण करती हैं, उसी प्रकार मनुष्य के छोटे-छोटे प्रयास जीवन में बड़ी उपलब्धियों का आधार बनते हैं। किसी शायर ने कहा है

पानी की छोटी बूँदों ने बढ़कर समंदर बना दिया, छोटे-छोटे प्रयासों ने आदमी का मुकद्दर बना दिया। आज का समय त्वरित परिणामों का समय माना जाता है। लोग चाहते हैं कि उन्हें बिना संघर्ष के तुरंत सफलता मिल जाए। किंतु प्रकृति का नियम है कि हर बड़ी उपलब्धि के पीछे लंबे समय तक किया गया श्रम और अनुशासन छिपा होता है। किसान बीज बोने के बाद प्रतिदिन उसकी देखभाल करता है। वह जानता है कि फसल एक दिन में नहीं उगेगी, परंतु यदि उसका प्रयास निरंतर रहेगा तो एक दिन खेत अवश्य लहलहाएगा। यही नियम मनुष्य के जीवन पर भी लागू होता है।

महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने बिजली के बल्ब का आविष्कार करने से पहले हजारों बार असफलताएँ झेली थीं। जब उनसे पूछा गया कि वे हजार बार असफल कैसे हुए, तब उन्होंने कहा कि मैं असफल नहीं हुआ, मैंने केवल हजार ऐसे तरीके खोजे जो काम नहीं करते।

यह कथन हमें सिखाता है कि असफलता अंत नहीं होती, बल्कि सफलता की ओर बढ़ने का एक चरण होती है। यदि मनुष्य हर असफलता के बाद पुनः प्रयास करता रहे, तो अंततः सफलता उसके कदम चूमती है।

इसी प्रकार महात्मा गांधी ने भी सत्य और अहिंसा के मार्ग पर निरंतर संघर्ष करते हुए भारत को स्वतंत्रता दिलाई। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ संकल्प और सतत प्रयास किसी भी बड़ी शक्ति को झुका सकते हैं। गांधीजी का प्रसिद्ध कथन है।

यह कथन केवल राजनीतिक संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लागू होता है। जब कोई व्यक्ति किसी लक्ष्य के लिए लगातार मेहनत करता है, तो प्रारंभ में लोग उसका उपहास उड़ाते हैं, किंतु अंततः वही व्यक्ति समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का जीवन भी छोटे-छोटे प्रयासों की महान कहानी है। साधारण परिवार में जन्म लेने वाले कलाम साहब ने कठिन परिस्थितियों में समाचार पत्र बाँटें, पढ़ाई की और अपने सपनों को कभी मरने नहीं दिया। निरंतर परिश्रम और अनुशासन के बल पर वे मिसाइल मैन- कहलाए और देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचे। उन्होंने कहा था

सपना वह नहीं जो आप सोते समय देखते हैं, सपना वह है जो आपको सोने न दे। उनका यह विचार युवाओं को निरंतर प्रयास और लक्ष्य के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। केवल सपना देखने से सफलता नहीं मिलती, बल्कि उसके लिए प्रतिदिन कर्म करना पड़ता है।

जीवन में सफलता पाने के लिए सबसे आवश्यक है एक स्पष्ट लक्ष्य। बिना लक्ष्य के प्रयास दिशाहीन हो जाते हैं। जिस प्रकार नाविक बिना दिशा के समुद्र में भटक जाता है, उसी प्रकार लक्ष्यहीन मनुष्य भी अपने जीवन की ऊर्जा व्यर्थ कर देता है। यदि मनुष्य एक निश्चित लक्ष्य तय कर ले और उस दिशा में प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा कार्य करता रहे, तो धीरे-धीरे सफलता उसके निकट आने लगती है।

इतिहास गवाह है कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को आत्मविश्वास और निरंतर कर्म का संदेश दिया था। उनका प्रसिद्ध वाक्य- उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।

यह केवल प्रेरणादायक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मूल मंत्र है। मनुष्य को कठिनाइयों, आलोचनाओं और असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए। निरंतर आगे बढ़ते रहना ही सफलता का मार्ग है।

प्रकृति भी हमें यही शिक्षा देती है। नदी पर्वतों से टकराकर रुकती नहीं, बल्कि अपना मार्ग स्वयं बना लेती है। चींटी बार-बार गिरने के बाद भी दीवार पर चढ़ने का प्रयास करती रहती है। सूर्य प्रतिदिन उगता है और अंधकार को दूर करता है। संसार का प्रत्येक जीव अपने सतत कर्म से जीवन का संतुलन बनाए रखता है। मनुष्य यदि प्रकृति से यह सीख ले ले कि निरंतरता ही सफलता का रहस्य है, तो उसका जीवन बदल सकता है।

आज अनेक विद्यार्थी, युवा और कर्मचारी थोड़ी असफलता मिलते ही निराश हो जाते हैं। वे सोचते हैं कि शायद सफलता उनके भाग्य में नहीं है। जबकि सत्य यह है कि सफलता भाग्य से अधिक परिश्रम और निरंतरता पर निर्भर करती है। भाग्य केवल दे सकता है, किंतु उस अवसर को उपलब्धि में बदलने का कार्य केवल परिश्रम करता है।नेल्सन मंडेला ने 27 वर्षों तक जेल में रहने के बाद भी अपने संघर्ष को नहीं छोड़ा। अंततः वही व्यक्ति दक्षिण अफ्रीका का राष्ट्रपति बना और विश्वभर में मानवाधिकारों का प्रतीक बन गया। उन्होंने कहा था मैं कभी नहीं हारता। या तो जीतता हूँ या सीखता हूँ। यह विचार मनुष्य को हर परिस्थिति में सकारात्मक बने रहने की प्रेरणा देता है। वास्तव में बड़ी सफलता कोई कठिन कार्य नहीं है।

दीप सदैव दूसरों के लिए जलता है, न कि स्वयं के लिए



दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। वह अपने अस्तित्व का उपयोग केवल अपने लिए नहीं करता, बल्कि आसपास के अंधकार को दूर करने के लिए करता है। यही भावना अध्यात्म का सार है, और सहजयोग में इसे अत्यंत गहराई से आत्मसात किया जाता है।

सहजयोग के अनुसार मनुष्य के भीतर एक दिव्य शक्ति – कुंडलिनी- विद्यमान है। जब यह शक्ति जागृत होती है, तब व्यक्ति केवल अपने सुख और स्वार्थ तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके भीतर प्रेम, करुणा और सेवा का भाव स्वतः प्रकट होने लगता है। जैसे दीपक का स्वभाव प्रकाश देना है, वैसे ही जागृत आत्मा का स्वभाव दूसरों के जीवन में शांति और आनंद फैलाना है।

श्री हनुमान इसका सर्वोत्तम उदाहरण हैं। उनके पास अपार शक्ति थी, पर उन्होंने कभी उसका उपयोग व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं किया। उनका जीवन पूरितः सेवा, समर्पण और धर्म के लिए समर्पित था। वे स्वयं तपते रहे, संघर्ष करते रहे, परंतु संसार को साहस, सुरक्षा और भक्ति का प्रकाश देते रहे। वे एक ऐसे दीपक हैं जिन्होंने न सिर्फ स्वयं को, बल्कि समस्त मानवता को प्रकाशित किया।

सहजयोग में भी साधक को यही शिक्षा दी जाती है कि आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के बाद उसका जीवन केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित न रहे। यदि ध्यान से हमें शांति मिलती है, तो उस शांति को दूसरों तक पहुंचाना भी हमारा कर्तव्य है। यदि हमारे भीतर प्रेम जागृत होता है, तो वह केवल अपने परिवार तक सीमित न होकर समाज तक फैलना चाहिए।

दीपक का प्रकाश तभी सार्थक है जब वह किसी और का अंधकार दूर करे। उसी प्रकार आध्यात्मिकता तभी पूर्ण मानी जाती है जब वह दूसरों के जीवन में आशा, संतुलन और आनंद उत्पन्न करे।

सहजयोग हमें सिखाता है कि- अपने भीतर का दीप जलाओ, अहंकार और अज्ञान का अंधकार मिटाओ, और फिर उस प्रकाश को प्रेमपूर्वक संसार में बाँटो। क्योंकि सच्चा संत वही है जो स्वयं प्रकाशित होकर दूसरों को भी प्रकाशित करे।

अनाज के ढेर पर बैठी भूखी दुनिया: विकास मॉडल की सबसे भयावह सच्चाई

सभ्यता की चकाचौंध के बीच दुनिया एक खामोश त्रासदी रही रही है। खेतों में रिकॉर्ड अनाज उग रहा है, खाद्य कंपनियां लगातार विस्तार कर रही हैं और बाजार रंग-बिरंगे पैकेटों से भरे पड़े हैं, फिर भी करोड़ों लोग भूख की यातना सहने को मजबूर हैं। यह केवल आर्थिक विषमता नहीं, बल्कि विकास के खोखले मॉडल की सबसे बड़ी हार है। अधिक उत्पादन की लालसा ने जंगल उजाड़े, जलस्रोत खत्म किए और मिट्टी की जीवनशक्ति घटा दी। अब प्रकृति भी उसी विनाश का जवाब दे रही है। कहीं लू फसलें झुलसा रही है तो कहीं बाढ़ महीनों की मेहनत बहा ले जाती है। भूख और पर्यावरण विनाश का यह दुष्पंचक अब इतना भयावह हो चुका है कि यदि इसे समय रहते नहीं तोड़ा गया, तो आने वाला दौर मानव इतिहास का सबसे अंधकारमय अध्याय बन सकता है।

मानव सभ्यता की सबसे भयावह तस्वीर आज आंकड़ों में कैद दिखाई देती है। वर्ष 2025 में लगभग 266 मिलियन लोग तीव्र खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे थे, जबकि संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 673 मिलियन लोग लगातार भूख का सामना कर रहे हैं। अफ्रीका में हर पाँचवाँ व्यक्ति भोजन संकट में जी रहा है। 35.5 मिलियन बच्चे कुपोषण के शिकार हैं और करीब 10 मिलियन गंभीर स्थिति में हैं। सबसे दर्दनाक तथ्य यह है कि दुनिया की अधिकांश भूख केवल 10 देशों में सिमट चुकी है। यह केवल भोजन की कमी नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था की विफलता का प्रमाण है। युद्ध, आर्थिक संकट, बेरोजगारी और जलवायु आपदाएं मिलकर भूख को ऐसा हथियार बना चुकी हैं, जो इंसानी अस्तित्व को भीतर से तोड़ रहा है। अब भूख किसी गरीब राष्ट्र की

तमिलनाडु में विजय

बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण के बाद अब प्रतीक्षा है अप्रत्याशित चुनाव परिणाम वाले दूसरे राज्य तमिलनाडु में सरकार गठन की। चूँकि टीवीके नेता जोसेफ विजय ने डीएमके से डि्टकने वाली कांग्रेस, माकपा, भाकपा, वीसीके और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सहयोग से समर्थन जुटा लिया है, इसलिए उनके मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने में संदेह नहीं। विजय का अभिनेता से नेता बनकर एक तरह से आनन-फानन मुख्यमंत्री पद तक पहुंचना किसी चमत्कार से कम नहीं। उन्होंने दो वर्ष पूर्व अपने दल का गठन किया और पहले ही प्रयास में सत्ता की कुर्सी तक पहुंच गए। उनकी जीत यह बताती है कि तमिलनाडु में फिल्म कलाकारों के प्रति लोगों की एक अलग तरह की वफादगी रहती है।

इसी के चलते करुणानिधि और एमजीआर से लेकर जयललिता जैसी फिल्मवी हस्तियों ने राजनीति में अपनी छाप छोड़ी। फिलहाल यह कहना कठिन है कि विजय मुख्यमंत्री के रूप में कैसी राजनीतिक छाप छोड़ते हैं, क्योंकि उन्हें प्रशासन चलाने का कोई अनुभव नहीं। उनकी सरकार पांच दलों के सहयोग पर टिकी होगी, इसलिए एक अभिनेता के रूप में तमाम लोकप्रियता के बाद भी उनके लिए शासन चलाना बहुत आसान नहीं होगा। यह टीक है कि तमिलनाडु अपेक्षाकृत एक समृद्ध राज्य है, लेकिन विजय ने जिस तरह थोक के भाव लोक-लुभावन वादे कर रखे हैं, उसे देखते हुए उनके लिए उन्हें पूरा करना आसान नहीं होगा।

आखिर आर्थिक दृष्टि से सक्षम तमिलनाडु में नेताओं को इतने अधिक लोक-लुभावन वादे क्यों करने पड़ते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में यही अधिक दिखता है कि राज्य का एक तबका अभी भी निर्धनता की परिधि में ही बना हुआ है। यह एक विस्मयंती ही। इसमें संदेह है कि रेवड़ियां बांटकर निर्धनता को दूर किया जा सकता है।

विजय के मामले में यह भी देखना होगा कि वे द्रविड़ दलों की तरह से ही अपनी राजनीति चलाते हैं या फिर कोई नई राह पकड़ते हैं? द्रविड़ पार्टियों के बारे में हिंदी विरोध के साथ दिल्ली यानी केंद्रीय सत्ता से टकराव मॉल लेने की राजनीति करती रही हैं और तमिल अस्मिता के नाम पर तमिलवाद को इस तरह उभारने की भी कोशिश करती रहीं, जैसे यह राज्य शेष देश से विशिष्ट हो।

इस तमिलवाद में क्षत्रीय संकीर्णता के साथ प्रायः एक तरह के अलगाववाद की भी बू आती रही है। फिलहाल यह जानना कठिन है कि ईसाइयत को मानने वाले जोसेफ और उनके राजनीतिक दल की विचारधारा क्या है? क्या यह अजीब नहीं कि वे भाजपा को तो धार्मिक पार्टी मानते हैं, लेकिन मुस्लिम लीग को नहीं? वास्तव में विजय को लेकर एक नहीं कई सवाल हैं। इनमें से एक यह भी है कि कहीं उनके सत्ता में आने से ईसाई मिशनरियों का मतांतरण अभियान और तेज तो नहीं हो जाएगा?

—धनंजय राजौरा

समस्या नहीं, बल्कि असंगुलित वैश्विक विकास का सबसे भयावह चेहरा बन चुकी है।

मानवता को भोजन देने वाली व्यवस्था अब पृथ्वी के विनाश का बड़ा कारण बन चुकी है। वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 26 प्रतिशत हिस्सा खाद्य प्रणाली से आता है। कृषि अकेले पृथ्वी की आधी रहने योग्य भूमि और 70 प्रतिशत मिट्टे पानी का उपयोग करती है। वर्ष 2022 में एग्रीफूड सिस्टम ने करीब 16.2 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड समक्ष उत्सर्जन किया था। पशुपालन से निकलने वाली मीथेन, रासायनिक उर्वरकों से पैदा नाइट्रस ऑक्साइड और जंगलों की कटाई से बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड धरती को लगातार गर्म कर रही हैं। तापमान में हर अतिरिक्त डिग्री वृद्धि प्रति व्यक्ति लगभग 120 कैलोरी प्रतिदिन घटा देती है। यानी अधिक उत्पादन की दौड़ ही भविष्य का भोजन निगल रही है। बदलता जलवायु चक्र अब भूख को और भयावह बना रहा है। मौसम अब अनुमान नहीं, भय का विषय बन चुका है। कहीं महीनों तक बारिश नहीं होती तो कहीं कुछ घंटों की वर्षा पूरी खेती बहा ले जाती है। लू, सूखा, चक्रवात और बाढ़ लगातार फसलों को नष्ट कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अमीर देशों में 41 प्रतिशत और गरीब देशों में 28 प्रतिशत तक उपज क्षमता घट सकती है। सबसे बड़ा संकट छोटे किसानों पर है, जिनके पास न आधुनिक तकनीक, न बीमा और न पर्याप्त संसाधन हैं। कई संघर्षरस्त क्षेत्रों में भूख को हथियार बनाया जा रहा है। यदि यही स्थिति रही, तो वर्ष 2030 तक लगभग 5।2 मिलियन लोग भूख की चपेट में आ सकते हैं। पर्यावरण विनाश और भूख अब एक ही संकट

के दो चेहरे हैं।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि एक ओर करोड़ों लोग भूखे सोते हैं, वहीं दूसरी ओर भोजन कूड़े में फेंक दिया जाता है। दुनिया में उत्पादित भोजन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद हो जाता है। यह अपव्यय 8-10 प्रतिशत उत्सर्जन के बराबर है। अमीर देशों की थालियों से फेंका गया भोजन गरीब देशों के बच्चों की भूख बनाता है। उधर मिट्टी की उर्वरता घट रही है, भूजल स्तर गिर रहा है और जैव विविधता खत्म हो रही है। रासायनिक खेती ने उत्पादन बढ़ाया लेकिन मिट्टी कमजोर की। अब टिकाऊ विकल्प जरूरी हैं। यदि दुनिया को इस संकट से निकलना है, तो भोजन को व्यापार नहीं, मानव अस्तित्व की जिम्मेदारी मानना होगा। अन्यथा भूख का यह संकट वैश्विक स्थिरता तोड़ देगा। विनाश के बढ़ते साये में रिजनेरेटिव कृषि सबसे बड़ी आशा बन चुकी है। यह केवल खेती की तकनीक नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन की नई राह है। कवर क्रापिंग, फसल चक्रण, नो-टिल फार्मिंग, एगोफार्स्ट्री और प्रिंसीजन फार्मिंग मिट्टी को फिर जीवंत बना रही हैं। स्वस्थ मिट्टी अधिक कार्बन सोखती है, कम पानी में बेहतर उत्पादन देती है और जलवायु संकट झेलने की क्षमता बढ़ाती है। माइक्रोबियल इनोकुलेशन और विविध फसल प्रणाली जैव विविधता मजबूत कर रही हैं। क्लाइमेट-स्मार्ट कृषि छोटे किसानों को मौसम पूर्वानुमान, सटीक सिंचाई और बेहतर बाजार से जोड़ रही है। शोध बताते हैं कि सूखे में भी रिजनेरेटिव खेत पारंपरिक खेतों से अधिक उत्पादक रहे। यह संकेत है कि प्रकृति के साथ चलने वाली खेती केवल भोजन नहीं, भविष्य भी बचा सकती है।

बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठ ने बदली डेमोग्राफी, बना चुनावी मुद्दा

बाद हत्या और संदेशखाली में हिंसा एवं महिलाओं से दुर्व्यवहार की घटनाओं ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। इससे टीएमसी के प्रति सत्ता विरोधी माहौल और अधिक गहराया। ममता अपनी गलतियों को स्वीकार करने के बजाय जिस तरह यह कह रही हैं कि वे हारी नहीं, बल्कि उन्हें हराया गया है, वह उनकी खीझ ही है। बंगाल में आजादी के बाद पहले कुछ दशकों तक कांग्रेस का शासन रहा, फिर वाम दल तीन दशक से भी अधिक समय तक सत्ता में रहे। जब वाम दलों का शासन कुशासन का पर्याय बना तो लोगों ने परिवर्तन के नारे के साथ उन्हें चुनौती देने वाली ममता का साथ दिया, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने भी वाम दलों वाले तौर-तरीके अपना लिए। इसका एक कारण यह भी रहा कि वाम दलों के तमाम नेता और कार्यकर्ता टीएमसी में आ गए थे। एक समय जो ममता बांग्लादेशी घुसपैठियों का विरोध करती थीं, वही सत्ता पाते और उसे बनाए रखने के लोभ में उनकी अन्देखी करनी लगीं। वे इस सच से इन्कार करती रहीं कि बांग्लादेश से घुसपैठ होती है। वे घुसपैठियों का बचाव करने लगीं, जबकि हिंदू समाज यह देख रहा था कि बांग्लादेशी घुसपैठियों ने किस तरह असम की तरह बंगाल के सीमांत क्षेत्रों में डेमोग्राफी बदल दी है।

डेमोग्राफी में यह बदलाव सामाजिक असंतुलन पैदा करने और हिंदू अस्मिता को चोट पहुंचाने के साथ राज्य की सुरक्षा के लिए खराब भी बन रहा था। जैसे बंगाल में घुसपैठ एक चुनावी मुद्दा बनी, उसी तरह असम में भी और इसी कारण भाजपा वहां तीसरी बार जीती।

बांग्लादेश में पिछले दिनों जो राजनीतिक उथलपुथल एवं हिंसा हुई और जिसमें हिंदुओं को निशाना बनाया गया, उसका भी बंगाल के हिंदुओं पर असर पड़ा। उन्हें लगा कि बंगाल में राखवादी विचारों वाली सरकार बननी चाहिए। पता नहीं क्यों ममता यह भूल गई कि वाम दलों की भी बांग्लादेशी घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बनाने की कीमत चुकानी पड़ी थी? भाजपा ने घुसपैठियों को निकालने का नारा देकर जो नैरेटिव खड़ा किया, उसने इसलिए काम किया, क्योंकि बंगाली हिंदू अपने आसपास और खासकर सीमावर्ती जिलों में घुसपैठियों का

सरकारी ट्रान्समिशन और डिस्ट्रीब्यूशन वर्चस्व से दब रही प्रतिस्पर्धा

पश्चिम एशिया संकट के कारण देश में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस यानी एलपीजी की जो कमी बनी हुई है उसने आम परिवारों का प्राकृतिक गैस के इस्तेमाल की ओर ध्यान आकर्षित किया है। भारत प्राकृतिक गैस और एलपी?जी दोनों के मामले में आयात पर निर्भर है। घरेलू खपत के मामले में हम क्रमशः 50 से 60 फीसदी के लिए आयात पर निर्भर हैं। प्राकृतिक गैस के साथ अच्छी बात यह है कि इसके आयात के स्रोतों में विविधता लाई जा सकती है जबकि एलपीजी के आयात में विविधता लाना मुश्किल है।

घरेलू ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तेल और गैस पर हमारी निर्भरता अब भी काफी अधिक है, और कुल ऊर्जा में इनका अनुपात पिछले दो दशकों में लगभग समान स्तर पर बना हुआ है।

जीवाश्म ईंधनों में प्राकृतिक गैस सबसे कम प्रदूषणकारी है। वर्ष 2070 तक विशुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने की हमारी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण यह होगा कि प्राकृतिक गैस के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए, जिसे कोयला गैस और बायोगैस (जहां भारत में अपार अप्रयुक्त क्षमता है) के साथ मिलाकर मध्यम अवधि में संक्रमण यानी बदलाव वाले ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

दुर्भाग्यवश, विभिन्न दावों और सरकार के इस लक्ष्य के बावजूद कि 2030 तक प्राकृतिक गैस का हिस्सा कुल ऊर्जा मिश्रण में 15 फीसदी तक पहुंचेगा, वास्तविकता यह है कि यह अनुपात 2000 के लगभग 7-8 फीसदी से घटकर अब 5-6 फीसदी पर आ गया है।

हालांकि गैस क्षेत्र में कई मुद्दों का समाधान करने की आवश्यकता है। यह लेख देश में गैस विपणन में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर केंद्रित है। ऊपर से नीचे की ओर एकीकृत सरकारी उपक्रम (पीएसयू), विशेष रूप से गेल, जो गैस संचरण और वितरण संचालन को जोड़ते हैं, दशकों से इन व्यवसायों पर हावी रहे हैं। गैस अधोसंरचना पूंजी-गहन व्यवसाय है जिसमें ढेर से प्रतिलफ मिलता है। साथ ही, पूरे देश में सस्ती कीमतों

समाधान केवल नई तकनीकों से नहीं निकलेगा, जब तक नीतियों और सामाजिक सोच में बदलाव नहीं आए। सरकारों को पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली सब्सिडी खत्म करनी होगी और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना होगा। अंतरराष्ट्रीय सहयोग, हरित कृषि कोष और तकनीकी ज्ञान का साझा उपयोग गरीब देशों को नई दिशा दे सकता है। उपभोक्ताओं की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। भोजन की बर्बादी रोकना, स्थानीय पौष्टिक आहार अपनाना और अनावश्यक उपभोग घटाना समय की सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। साहसिक कदमों से 2030 तक भूख काफ़ी नियंत्रित हो सकती है और जलवायु लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। यह संघर्ष केवल खेतों में नहीं, बल्कि हमारी आदतों, नीतियों और प्राथमिकताओं में भी लड़ा जाएगा।

धरती का भविष्य आज मानवता के फैसलों के कटघरे में खड़ा है। एक ओर अधिक उत्पादन की अंधी दौड़ है, जो प्रकृति को नष्ट कर मानवता को भूख की ओर धकेल रही है। दूसरी ओर संतुलन और सतत विकास का मार्ग है, जहां भोजन और पर्यावरण साथ चलते हैं। ग्लोबल हंगर का नया चेहरा चेतावनी दे रहा है कि समय तेजी से खत्म हो रहा है। यदि हमने अब भी सोच नहीं बदली, तो आने वाली पीढ़ियां हरियाली को केवल किताबों में देखेंगी। लेकिन यदि दुनिया ने साहस दिखाया, तो यही संकट इतिहास का बड़ा परिवर्तन बन सकता है। आज का निर्णय तय करेगा कि भविष्य हमें विनाशकारी पीढ़ी कहेगा या वह पीढ़ी, जिसने भूख और पर्यावरण विनाश का घातक चक्र तोड़ दिया।

—प्रो. आरके जैन

दखल देख रहे थे।

बंगाल में राखवादी विचारों वाली सरकार के गठन से न केवल राज्य का बिगड़ा माहौल सुधरना चाहिए, बल्कि घुसपैठ पर भी रोक लगनी चाहिए। आशा है कि भाजपा सरकार के रहते बांग्लादेश के साथ अनसुलझे मसले सुलझाने में भी मदद मिलेगी। बंगाल को राजनीतिक और चुनावी हिंसा की संस्कृति से मुक्त करना राज्य की नई सरकार के एजेंडे में खास तौर पर होना चाहिए। यह आसान नहीं, क्योंकि राज्य की राजनीति एक तरह से हिंसा और दबंगई के सहारे ही संचालित होती रही है। यह दुर्भाग्य की बात रही कि टीएमसी के शासन में भी यह अराजक राजनीतिक संस्कृति और फली-फूली। इसके लिए ममता अपने अलावा किसी अन्य को दोष नहीं दे सकती।

बंगाल में चुनाव बाद जो हिंसा देखने को मिली और जिसके चलते कुछ भाजपा समर्थकों के साथ सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक की हत्या की गई, उसके लिए टीएमसी अपना जवाबदेही से बच नहीं सकती। भाजपा को सावधान रहना होगा कि उसके जो कार्यकर्ता और समर्थक टीएमसी से आए हैं, वे हिंसा और दबंगई की राजनीतिक संस्कृति न अपनाने पाएं। ध्यान रहे खुद सुवेंदु अधिकारी एक समय टीएमसी के प्रमुख नेता और ममता के विश्वासपात्र थे। स्पष्ट है कि भाजपा को अपने संग आए टीएमसी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के कार्य-व्यवहार के प्रति सतर्क रहना होगा।

उसे यह भी देखना होगा कि टीएमसी का अराजक प्रवृत्ति वाला काइ भाजपा में न आने पाए। यदि भाजपा इसे लेकर सचेत नहीं रहती तो राजनीतिक हिंसा की संस्कृति को खत्म करने में कठिनाई होगी। इसकी अन्देखी न की जाए कि चुनाव बाद हिंसा ने यही सिद्ध किया है कि भाजपा सरकार के सामने कानून एवं व्यवस्था को ठीक करना और ममता के कुशासन के असर को खत्म करना एक बड़ी चुनौती है। किसी राज्य का माहौल तब बदलता है, जब कानून एवं व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त होती है। इसे दुरुस्त करके ही बंगाल को पटरी पर लाया जा सकता है।

—सुनील कुमार महला

वाणिज्यिक रूप से अव्यवहार्य पाइपलाइन परियोजनाओं में अपराध निवेश होगा, जो सार्वजनिक वस्तुओं के रूप में आवश्यक हो सकती हैं। यह तर्क वास्तव में उनके व्यवसायों के चारों ओर एक सुरक्षा कवच बनाने के बारे में अधिक है। आखिरकार, वाणिज्यिक इकाइयों के दृष्टिकोण से, जिनमें से कुछ सूचीबद्ध हैं और सार्वजनिक शेयरधारकों के प्रति जवाबदेह हैं, अव्यवहार्य परियोजनाओं में निवेश को कब तक उचित ठहराया जा सकता है? यह स्पष्ट रूप से एक अस्थिर नीति दृष्टिकोण है।

सही दृष्टिकोण यह होगा कि सामाजिक रूप से वांछनीय लेकिन अव्यवहार्य परियोजनाओं को पीएनजीआरबी द्वारा प्रशासित एक पारदर्शी वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) योजना के माध्यम से वित्तीय समर्थन दिया जाए। यह योजना सभी पात्र संस्थाओं के लिए समान रूप से उपलब्ध होनी चाहिए। वीजीएफ कोष परिवहन शुल्क पर उपकर लगाकर और असंतुलन शुल्क के माध्यम से एकत्रित धन का उपयोग करके स्थापित किया जा सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में, निम्नलिखित उपाय समयबद्ध तरीके से किए जाने चाहिए-

पीएनजीआरबी को ऊपर से नीचे एकीकृत संस्थाओं में विपणन और संचरण गतिविधियों को दो अलग-अलग कानूनी इकाइयों में विभाजित करने को सख्ती से लागू करना चाहिए। एक स्वतंत्र सिस्टम ऑपरेटर (आईएसओ) इकाई स्थापित की जानी चाहिए, जो संचरण अधोसंरचना संपत्तियों का स्वामित्व न रखते हुए एक निष्पक्ष निर्णायक के रूप में कार्य करे, ताकि परिवहन गतिविधियों का स्वतंत्र प्रणाली संचालन सुनिश्चित किया जा सके। यह आईएसओ पाइपलाइन क्षमताओं तक पहुंच के लिए कॉमन कैरियर और कॉन्ट्रेक्ट कैरियर आधार पर जिम्मेदार होगा। वितरण- हालांकि कागज पर 300 से अधिक भौगोलिक क्षेत्रों के लिए प्रा?धिकार दिए जा चुके हैं, जो लगभग पूरे देश को कवर करते हैं, फिर भी गैस को वास्तव में घरों तक पाइड नेचुरल गैस (पीएनजी) के रूप में पहुंचाने, सीएनजी स्टेशनों और औद्योगिक ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए बहुत काम किया जाना बाकी है। कई भौगोलिक क्षेत्रों

है, इसके समाप्त होने के बाद संभावित नई संस्थाओं को उस लाइसेंस क्षेत्र में गैस बुनियादी ढांचा बिछाने की अनुमति दी जा सकती है। कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में अधोसंरचना विशिष्टता अवधि भी समाप्त हो चुकी है, लेकिन इस सिद्धांत को कैसे लागू किया जाएगा, इस पर पर्याप्त स्पष्टता नहीं है। इस संदर्भ में निम्नलिखित कदम उठाए जाने चाहिए-

सख्त निगरानी और प्रवर्तन ताकि प्रत्येक अधिकृत संस्था काय? योजना के अनुसार दायित्वों और प्रतिबद्धताओं का पालन करे। गंभीर गैर-अनुपालन के मामलों में, पीएनजीआरबी प्राधिकार समाप्त कर सकता है और भौगोलिक क्षेत्र या उसके किसी हिस्से को पुनः बोली के लिए पेश कर सकता है जहां विपणन विशिष्टता अवधि समाप्त हो चुकी है, वहां अवसंरचना को तीसरे पक्षों के उपयोग के लिए कॉमन कैरियर या कॉन्ट्रेक्ट कैरियर आधार पर उपलब्ध करवा जाए।

—डॉ. सुधाकर आशावादी

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने रात में किया सिविल अस्पताल हजीरा, बिरला नगर सहित विद्युत केन्द्रों का औचक निरीक्षण

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने रात में किया सिविल अस्पताल हजीरा, बिरला नगर सहित विद्युत केन्द्रों का औचक निरीक्षण

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शनिवार की देर रात अचानक निरीक्षण के लिए निकल पड़े। विद्युत उपकेन्द्र मोतीझील और बहोड़ापुर पहुंचे जहां उन्होंने विद्युत वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मेटेनेंस, विद्युत सप्लाई और शिकायतों के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपकेंद्र कार्यालय का निरीक्षण किया तथा कर्मचारियों से बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हलात सुधार लें अन्यथा अगली बार सिर्फ चेतावनी नहीं दूंगा, सीधे कार्यवाही होगी।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर रात में ही अचानक सिविल अस्पताल हजीरा पहुंचे। निरीक्षण के दौरान गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में गंभी के बीच एसी बंद मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और अस्पताल प्रबंधन को एसी दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। मंत्री श्री तोमर ने दो टुक कहा कि अति-संवेदनशील वार्डों में इस तरह की लापरवाही ठीक नहीं है। उन्होंने मौके से ही अस्पताल प्रभारी डा. प्रशांत नायक को फोन लगाकर तत्काल



व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री तोमर ने केवल मशीनों का ही नहीं, बल्कि मानव संसाधन का भी जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद डाक्टर से सवाल किया कि रात के समय अस्पताल में किनना स्टाफ तैनात रहता है। इमरजेंसी में बैकअप की क्या तैयारी है। क्या सभी जरूरी जीवन रक्षक दवाएं स्टॉक में उपलब्ध हैं।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया कि मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ऊर्जा मंत्री ने सिविल अस्पताल एवं प्रसूति गृह बिरला नगर का भी औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और उपस्थित चिकित्सकों व स्टाफ से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री ने वार्डों में जाकर उपचाराधीन मरीजों एवं उनके परिजनों से आत्मीय भेंट की। उनकी कुशलक्षेम और अस्पताल द्वारा दी जा रही सुविधाओं के संबंध में जमीनी हकीकत को जाना। साथ ही ऊर्जा मंत्री ने अस्पताल परिसर में स्वच्छता सुनिश्चित करने और मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को सुलभ, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना सरकार की

सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता की सेवा और उनके स्वास्थ्य के प्रति हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

बिरला नगर प्रसूति गृह से ऊर्जा मंत्री मनोरंजनालय पार्क पहुंचे यहाँ की विद्युत, लाइटिंग एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए रात्रिकाालीन व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने आनंद नगर स्थित बड़ा पार्क तथा शील नगर (बहोड़ापुर) स्थित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पार्क का निरीक्षण कर रात्रिकाालीन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान पार्क में प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के नाते आपके इस सेवक का यह दायित्व है कि हमारे सार्वजनिक स्थल न केवल सुंदर हों, बल्कि सुरक्षित भी हों। शनिवार रात अपने भ्रमण के दौरान उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि अधिकारी और कर्मचारियों को कार्य के प्रति लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिव्यांगजनों की सहायता के लिए संवेदनशील पहल



ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को जरूरतमंद दिव्यांगजनों एवं असहाय लोगों को 20 क्वीलचेयर एवं 10 वॉकर

उपलब्ध कराए हैं। मंत्री श्री कुशवाह ने समाधिया कॉलोनी स्थित अपने स्थानीय कार्यालय में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव को यह सामग्री सौंपी और जल्द से जल्द जरूरतमंदों तक यह सहायता उपकरण पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा जरूरतमंदों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंद लोगों का जीवन सुगम, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्री कुशवाह ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता, संवेदनशीलता और सहयोग पहुंचाने का संकल्प निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधितग, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न, स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

डिण्डोरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिव्यांशु चौधरी, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. रमेश सिंह मरावी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री श्याम सिंह सिंगौर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-1 डॉ. ममता दीवान, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राजकुमार डोंगरे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-2 डॉ. जयश्री मरावी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एवं विकासखण्ड स्तर से खण्ड चिकित्सा अधिकारी, बीपीएम, बीईई एवं बीसीएम उपस्थित रहे। बैठक में 01 अप्रैल 2026 से 07 मई 2026 तक स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान एएनसी पंजीयन, सीवियर एनीमिया, पीआईएच प्रबंधन, टीकाकरण, पोषण पुनर्वास केन्द्र, आयुष्मान कार्ड, मातृ एवं शिशु मृत्यु, सिक्ल सेल एनीमिया तथा टीबी कार्यक्रम की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। एएनसी पंजीयन की उपलब्धि कम पाए जाने पर उप स्वास्थ्य केन्द्र चुरिया, सरई, बिछिया, जमगांव, सैलवार, मध्दनी, जाताडोंगर, झगरहटा एवं बढ्ढांगढ़ की सीएचओ एवं एएनएम का पांच दिवस का वेतन काटने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए। टीबी नोटिफिकेशन, स्क्रीनिंग एवं एक्स-रे उपलब्धि कम होने पर जिला समन्वयक तथा एसटीएलएस/एसटीएस को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। समस्त बीपीएम एवं बीसीएम को विकासखण्ड स्तर पर सभी कार्यक्रमों की शत-प्रतिशत ऑनलाइन एट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एएआरसी में बच्चों की कम भर्ती होने पर खण्ड चिकित्सा अधिकारी अमरपुर एवं समनापुर का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों की पोर्टल एट्री कम पाए जाने पर समस्त बीएमओ एवं बीपीएम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

प्रभारी मंत्री श्री पंवार की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक संपन्न



रायसेन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में सांची विधायक डॉ प्रभुपुष्प चौधरी, भोजपुर विधायक श्री सुरेंद्र पटवा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, जपदर अध्यक्ष सांची श्रीमती अर्चना पोंते, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन, कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा, एसपी श्री आशुतोष गुना, जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी तथा श्री राकेश शर्मा सहित जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के प्रारंभ में प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि रायसेन जिला भोपाल की समीप है और इसे भोपाल का हिस्सा ही माना जाता है। रायसेन जिले का विकास भी इसी तर्ज पर हो रहा है। वित्त कुछ माह में रायसेन में राष्ट्रीय स्तर के सांयद खेल महोत्सव, उन्नत कृषि महोत्सव सहित विभिन्न कार्यक्रम हुए हैं, जिनका लाभ जिले को मिला है। इसके अलावा रायसेन किले पर रोप-वे के निर्माण को भारत सरकार की अनुमति मिल गई है, मेडिकल कॉलेज का भी निर्माण होना है। रायसेन जिला पर्यटन की दृष्टि से भी बहुत प्रसिद्ध है। जिले में हर क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं है और इसके दृष्टिगत कार्य भी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन की नीति है प्रत्येक विकासखंड में एक बेहतर खेल मैदान हो, इसके लिए भी कार्य किया जाए। राज्यस्व विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा आदि प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत देते हुए कहा कि नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर ना लगाना पड़े। इसी प्रकार खाद्य आपूर्ति, ऋण वसूली आदि पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने ली जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए निर्देश



अशोक नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभाग आयुक्त ग्वालियर संभाग श्री मनोज खत्री ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विभागभीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। कमिश्नर श्री खत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय-सीमा में पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान तथा विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।बैठक में जल संरक्षण, स्वच्छता अभियान, राजस्व प्रकरणों के निराकरण तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया गया। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी मैदानी स्तर पर नियमित निरीक्षण करें एवं आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निराकरण करें। बैठक में कलेक्टर श्री साकेत मालवीय पुलिस अधीक्षक श्री राजीव कुमार मिश्रा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन, अपर कलेक्टर श्री डीएन सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री बृज बिहारी लाल श्रीवास्तव, श्री आर बी सिंग?डेर?कर,श्रीमती सोनम जैन एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। आयुक्त ग्वालियर संभाग ने शिक्षा विभाग की समीक्षा कर नामांकन में वृद्धि एवं ड्रॉप आउट में कमी हेतु आगामी वर्ष की तैयारी के संबंध में विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए ।साथ ही उन्होंने बच्चों को पुस्तकों का वितरण किए जाने के संबंध में समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी बच्चों को लक्ष्य के अनुसार पुस्तकों का वितरण किया जाएह। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में 3 से 6वर्ष के बच्चों का पंजीकरण आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माणाधीन भवनों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संवेदनशील स्?थलों का जोनल प्लान, बरितया एवं रालियों का प्लान, नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु कार्यवाही, स्कूलों, कॉलेजों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नशे के विरुद्ध चलाई जाने वाली गतिविधियों, जिला स्तरीय समिति की बैठकें, अनुसूचित जाति जनजाति के विरुद्ध अपराध की रोकथाम एवं राहत राशि का वितरण के संबंध में विशेष समीक्षा की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के संबंध में विभागवार समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पीएम राहत योजना एवं राहवीर योजना के संबंध में आवश्यक कार्यवाही संबंधित विभागों द्वारा समय पर किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान अमृत सरोवर तालाबों को लीज पर दिए जाने के संबंध में जानकारी प्राप्त की ।ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विभागीय कार्यों की प्रगति तथा वाटरशेड अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा की।

जबलपुर के खेतों में बिखरेगी तिल की खुशबू. जायद के सीजन में किसानों ने की 366 हेक्टेयर में बोनी.

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के कृषि परिदृश्य में इस वर्ष एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार की कृषक हितैषी नीतियों और फसल विविधीकरण अभियान से प्रेरित होकर जबलपुर के किसानों ने इस बार ग्रीष्मकालीन (जायद) सीजन में तिल की खेती की ओर विशेष रूचि दिखाई है। कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जहाँ बीते वर्ष जायद सीजन में जिले में तिल का एकबा शून्य था, वहीं इस वर्ष किसानों ने 366 हेक्टेयर क्षेत्र में तिल की बोनी कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।शून्य से 366 हेक्टेयर तक का सफर – पिछले कुछ वर्षों तक ग्रीष्मकाल में किसान मुख्य रूप से मूंग या उड़द पर निर्भर थे। लेकिन प्रशासन



तिल को प्राथमिकता दी है। तिल की खेती ही क्यों –विशेषज्ञों के अनुसार, ग्रीष्मकालीन तिल की खेती किसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है। तिल की फसल को बहुत कम सिंचाई की जरूरत होती है, जो गंभी के मौसम के लिए सबसे उपयुक्त है। इसमें खाद और कीटनाशकों का खर्च अन्य फसलों की तुलना में कम आता है, जबकि बाजार में तिल के भाव (खासकर सफेद तिल) काफी ऊंचे रहते हैं।मृदा स्वास्थ्य में सुधार – तिल

की खेती से मिट्टी की संरचना में सुधार होता है, जिससे अगली खरीफ फसल की पैदावार भी बेहतर होती है। उन्होंने बताया कि अन्य फसलों के मुकाबले तिल में कीट और रोगों का खतरा कम रहता है। काँपि अधिकारियों के अनुसार तिल की वैश्विक मांग और इसके औषधीय गुणों के कारण किसानों को इसका उचित मूल्य मिलना तय है। जिले में 366 हेक्टेयर में हुई तिल की बोनी इस बात का संकेत है कि जबलपुर का किसान अब प्रयोगभरी हो रहा है और बाजार की मांग के अनुरूप खेती करने के लिए तैयार है। उप संचालक कृषि यू के कटहरे ने तिल की खेती की ओर जिले के किसानों के झुकाव को जिले की कृषि अर्थ व्यवस्था के लिये शुभ संकेत बताया है। उन्होंने कहा कि फसल चक्र में बदलाव लाकर किसान न केवल अपनी आय दोगुनी कर सकते हैं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन भी बना सकते हैं।



उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गौपाल गौशाला भीलसुड़ा में 51 लाख रुपए की लागत से बनने वाले गौ शेड का भूमिपूजन 108 संत श्री रामकरण दास जी महाराज, स्वामीनारायण मंदिर के महंत हरिन्दनदास जी महाराज,मध्य प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष नारायण यादव, श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष डा.शिवप्रतापसिंह चौहान,उमेशसिंह सेंगर, सुरेंद्र यादव, जयसिंह दरबार, संजय ठाकुर,जिला पंचायत सदस्य बालू खींची बंजारा, गोशाला के अध्यक्ष चंद्र सिंह

आंजना, उपाध्यक्ष शरद जैन,शाहनवाजउद्दीन कुरैशी,के कर कमलों से पंडित मुकेश शर्मा ने मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया।इस अवसर पर रतन सिंह पटेल,जीवनसिंह डोडिया, लाखन गुर्जर, जसवंत पटेल, भंवरलाल दवे, मूलचंद जैन,सरपंच तेजपालसिंह डोडिया, सरपंच लालसिंह पंवार, सरपंच रतन सिंह पटेल,सरपंच विजय माली,रायसिंह चौधरी, जगदीश पटेल,विजेंद्र सोनगरा,बाबूसिंह राणावत, लाखनसिंह डोडिया,विरेंद्रसिंह डोडिया,धर्मेंद्रसिंह डोडिया, शक्तिसिंह डोडिया,रामचंद्र पाटीदार,विजयपालसिंह,हर्देसिंह आंजना,आशाकम पटेल, विजय पटेल,आदि गौ भक्त बड़ी संख्या में मौजूद थे। 15 हजार प्रतिमाह गौ सेवा के लिए- मानव जीव दया समिति नागदा के शरद जैन, मनीष चपलदोल, सुरेंद्र कांकरिया, राजेश सकलेचा, दिलिप जैन, अंकुर जैन, मुकेश पोरवाल समिति ने गौ माता के ईलाज व रखरखाव के लिए 15 हजार रुपए प्रति माह देने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन ईश्वर आंजना मंत्री ने किया व आभार गोविंदसिंह डोडिया ने माना ।

शुरू हुआ तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य लाखों परिवारों को मौसमी रोजगार का अवसर



जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जबलपुर जिले में आज से तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य प्रारंभ हो गया है। यह कार्य जिला लघु वन उपज सहकारी संघ मर्यादित के अंतर्गत संचालित प्राथमिक वन उपज सहकारी समितियों के माध्यम से किया जा रहा है। जिले में लगभग 29 समितियाँ कार्यरत हैं, जिन्होंने इस वर्ष लगभग 32 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहित कर लेता है। प्रत्येक गड्डी में 50 पत्ते होते हैं। राज्य शासन द्वारा 400 रुपये प्रति सैकड़ गड्डी की दर से तेंदूपत्ता खरीदा जा रहा है, जबकि एक मानक बोरे का मूल्य 4 हजार रुपये निर्धारित है। जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य की निगरानी जिला लघु वन उपज सहकारी संघ के प्रबंध संचालक अर्थात जिले

तेंदूपत्ता संग्रहण ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराता है और हजारों परिवारों की आय सुनिश्चित करता है। एक संग्राहक प्रतिदिन औसतन 125 गड्डी तेंदूपत्ता संग्रहित कर लेता है। प्रत्येक गड्डी में 50 पत्ते होते हैं। राज्य शासन द्वारा 400 रुपये प्रति सैकड़ गड्डी की दर से तेंदूपत्ता खरीदा जा रहा है, जबकि एक मानक बोरे का मूल्य 4 हजार रुपये निर्धारित है। जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य की निगरानी जिला लघु वन उपज सहकारी संघ के प्रबंध संचालक अर्थात जिले

के वन मंडलाधिकारी करते है। तेंदूपत्ता केवल एक पत्ता नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त आय का स्रोत माना जाता है। तेंदूपत्ता संग्रहण लाखों परिवारों को मौसमी रोजगार प्रदान करता है। विशेष रूप से महाकौशल एवं आदिवासी अंचलों में यह आय का प्रमुख स्रोत है। तेंदू एक वन वृक्ष है, जिसके पत्तों का उपयोग मुख्य रूप से बीड़ी निर्माण में किया जाता है। इसकी पत्तियाँ मशय कर्तव, मुलायम एवं लंबे समय तक सुरक्षित रहने योग्य होती है। गर्मी के मौसम में जब नए

पत्ते निकलते हैं, तब उनका संग्रहण किया जाता है। तेंदूपत्ता संग्रहण एक श्रमसाध्य कार्य है। संग्राहक सुबह से ही जंगलों में पहुंचकर पत्तों को सावधानीपूर्वक तोड़ते हैं ताकि उनकी गुणवत्ता बनी रहे। संग्रहण प्रक्रिया में पत्तों का चयन एवं तुड़ाई, छंटाई, गड्डी निर्माण, सुखाना, संग्रहण केंद्र में जमा करना, परिवहन एवं भंडारण जैसे चरण शामिल होते हैं। कुंडम क्षेत्र के तेंदूपत्ता संग्राहक कहते हैं कि जंगलों की हरियाली और ग्रामीणों की खुशहाली एक-दूसरे से जुड़ी हुई है।

जानबूझकर अनजान बन रहा है नगरी निकाय के अधिकारी

अकोदिया नगरी में हर रोड़ पर अंधाधुंध अतिक्रमण

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया नगर में अतिक्रमण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। मुख्य मार्गों और बाजार क्षेत्र में दुकानदारों द्वारा दुकानों के सामने सामान रखकर अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम की स्थिति बन रही है। इससे आम लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।नगर परिषद द्वारा लंबे समय से अतिक्रमण हटाने की कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से अतिक्रमणकारियों के हैसले बुलंद हैं। विगत महीनों परिषद द्वारा अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन अब तक जमीनी स्तर पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो सकी है।

नगर में करोड़ों रुपये की लागत से महाराणा प्रताप बस स्टैंड का निर्माण कराया गया था, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके और मुख्य चौराहे पर लगने वाले जाम से राहत मिल



सके। लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि बसें बस स्टैंड तक पहुंच ही नहीं पा रही हैं।

कुछ समय के लिए जब प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई जाती है, तब बसों का संचालन बस स्टैंड के अंदर तक होता है, लेकिन कार्रवाई ठंडी पड़ते ही फिर से मुख्य चौराहे पर वाहन पार्किंग और अतिक्रमण शुरू हो जाता है। इसके चलते बसें चौराहे पर ही खड़ी होती हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्य चौराहे पर दिनभर बसों और अन्य वाहनों की आवाजाही के कारण अव्यवस्था बनी रहती है। कई बार छोटे-बड़े हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन गंभीर नजर नहीं आ रहा है।

इस संबंध में अकोदिया नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश सेन ने बताया कि

अतिक्रमण को लेकर पूर्व में नोटिस जारी किए गए थे। जल्द ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी तथा ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी जिससे बसों का नियमित रूप से बस स्टैंड तक आवागमन सुनिश्चित हो सके।

अब देkhना यह होगा कि प्रशासन अतिक्रमण हटाने की मुहिम कब तक शुरू करता है और नगरवासियों को जाम व हादसों की समस्या से कब राहत मिल पाती है।

नगर की बस स्टैंड से लेकर रेलवे स्टेशन

व नगर के प्रमुख मार्गों में हर एक दुकानदार ने अपनी दुकान के सामने बेवजह सामान जमा रखा साथ ही दुकान संचालक व दुकान पर आने वाले ग्राहकों जब मोटरसाइकिलों से आते हैं तो वह उनकी दुकान के सामने ही रख देते हैं जिसके चलते रोड पूरी तरह से बंद हो जाता है जगह-जगह जाम लग जाता है अगर चाहे तो पुलिस इस पर उचित कार्रवाई कर सकती है लेकिन जवाबदार अधिकारी राजस्व विभाग के नायाब तहसील नगर पंचायत के सीएमओ एवं पुलिस थाना के थाना प्रभारी इन तीनों को संयुक्त रूप से उचित कार्रवाई करना चाहिए ताकि नगर अकोदिया में हर एक व्यक्ति अपने वहां के साथ आराम से निकल सके

नगर के में रोड स्थित शनिवार को हार्डवेयर दुकान पर लोहे के समान लेकर खड़े एक लोडिंग वाहन का नियंत्रित होकर पलट गया जिसके चलते रास्ते से जा रहा है तीन बाइक सवार को चोट लगी उक्त दुकान संचालक पर भी उचित कार्रवाई होना चाहिए।



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदू और सूरज वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की 486 जन्म जयंती राजपूत धर्मशाला बदनावर में मनाई गई बैठक में सर्वप्रथम दीप प्रजनन कर महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया ट्रस्ट के संरक्षक अध्यक्ष गिरीश प्रताप सिंह राठौर द्वारा समाज को संबोधित करते हुए कहा कि

हमारी एकता और अखंडता को बनाए रखना जरूरी है कटोगे तो बटोगे, युवा राजपूत संगठन के अध्यक्ष पोपसिंह राठौर (पप्पी बना) द्वारा वार्षिक बजट प्रस्तुत किया गया और बजट के साथ अपने उद्घोधन के माध्यम से संदेश में कहा समाज की आवाज के लिए खड़े रहो अगर लड़ नहीं सकते तो बोलो ,बोल नहीं सकते है तो लिखो, लिख नहीं सकते

हो तो साथ दो और साथ भी नहीं दे सकते हो तो जो लड़ रहे हैं लिख रहे हैं बोल रहे हैं उनका हैसला मत तोड़ो एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

कार्यक्रम में महाराणा प्रताप ट्रस्ट के अध्यक्ष अंतर सिंह पवार, नारायण सिंह झाला, महेंद्र सिंह शकावत ,लाखन सिंह चावड़ा, बापू सिंह यादव, राजेंद्र सिंह पवार, भगवान सिंह राठौर , दिलीप सिंह चौहान,गोपाल सिंह चन्द्रावत,दशरथ सिंह डोडिया, मनोहर सिंह पवार , मांगू सिंह, टीकम सिंह डोडिया, अजेंद्र सिंह झाला, सोहन सिंह, राजवीर सिंह सोलंकी, जितेन सिंह देवड़ा,मदन सिंह देवड़ा,डा कमल सिंह, कुलदीप सिंह, प्रेमसिंह डोडिया,बंटी बना, अविनाश सिंह राठौर कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह पवार द्वारा किया गया।

तैराकी प्रशिक्षण कार्यक्रम में होमागई एवं एसडीईआरएफ जवानों को दिया गया आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण



डिण्डोरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डिंडोरी में होमागई तथा नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन मुख्यालय मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार जिला इकाई डिंडोरी होमागई एवं एसडीईआरएफ जवानों के लिए 04 मई 2026 से 09 मई 2026 तक बेसिक एवं उद्घाटन तैराकी, आपदा उपकरण संचालन तथा डीआरसी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आगामी बाढ़ एवं जल आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जवानों की क्षमता एवं दक्षता का विकास करना रहा। प्रशिक्षण प्रभारी श्री नरेश कुमार साहू, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमागई डिंडोरी तथा सहायक प्रभारी एवं प्रशिक्षक श्री शिवराज पट्टे, प्लाटून कमांडर होमागई डिंडोरी द्वारा जवानों को तैराकी एवं जल बचाव संबंधी विभिन्न गतिविधियों का गहन अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान जवानों को किसी भी जल आपात स्थिति में त्वरित एवं सुरक्षित बचाव कार्य करने के लिए आवश्यक तकनीकों की जानकारी दी गई। सहायक प्रशिक्षण प्रभारी श्री शिवराज पट्टे ने जवानों को बाढ़ आपदा संकट एवं उससे निपटने की रणनीतियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इसके बाद जवानों को स्थानीय डेम घाट ले जाकर व्यायाम, तैराकी के महत्व तथा नदी एवं जलाशय संबंधी सुरक्षा नियमों से अवगत कराया गया।

नवागत पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने किया सुसनेर एवं सोयत कलां थानों का औचक निरीक्षण

सुरक्षा प्रबंधन, अपराध नियंत्रण, जनसुनवाई एवं थाना कार्यप्रणाली की बहुआयामी समीक्षा

सुसनेर/गिरिराज बंजरारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी, संवेदनशील एवं परिणाममुखी बनाने की दिशा में पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी द्वारा 10 मई रविवार को थाना सुसनेर एवं सोयत कलां का विस्तृत औचक निरीक्षण किया गया। उनके साथ अनुविभागीय पुलिस अधिकारी सुसनेर देवनारायण यादव भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान सुसनेर थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस एवं सोयत कलां थाना प्रभारी रामगोपाल वर्मा द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं पुलिस व्यवस्थाओं की जानकारी प्रस्तुत की गई।

पुलिस अधीक्षक द्वारा दोनों थाना परिसरों में ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं



कर्मचारियों की उपस्थिति, अनुशासन, रात्रिकालीन गश्त, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी, अपराधियों पर नियंत्रण, थाना

सुरक्षा व्यवस्था, रिकॉर्ड संधारण एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की गई। इस दौरान थाना कार्यालय, मालखाना, हवालात, सीसीटीएनएस कक्ष, लंबित अपराधों की समीक्षा, शिकायत पंजी, अपराध रजिस्टर, वारंट तामिली, हिस्ट्रीशीटर मॉनिटरिंग, रास्त्रागार, दस्तावेज संधारण, परिसर स्वच्छता एवं सुरक्षा संसाधनों का सूक्ष्म परीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण किया कि थाना स्तर पर प्रत्येक व्यवस्था व्यवस्थित, अद्यतन एवं जवाबदेह होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आत्मीय संवाद स्थापित कर उनकी ड्यूटी

संबंधी चुनौतियों, संसाधन आवश्यकताओं एवं व्यक्तिगत समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की मजबूती केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि अनुशासन, मनोबल, कर्तव्यनिष्ठा एवं टीम भावना से निर्मित होती है। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि हर पुलिसकर्मी जनता की सुरक्षा का प्रहरी है। आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान, निष्पक्ष कार्रवाई, संवेदनशील व्यवहार एवं सतत सतर्कता ही श्रेष्ठ पुलिसिंग की पहचान है।

पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि थानों में आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुना जाए, अनावश्यक को विलंब न हो तथा पुलिस कार्यवाही पारदर्शी, प्रभावी एवं विश्वासपूर्ण हो। उन्होंने विशेष

रूप से रात्रिकालीन गश्त, सदिग्ध गतिविधियों की निगरानी, अपराधियों की धरपकड़, महिला सुरक्षा, जनसंवाद एवं क्षेत्रीय उपस्थिति को और अधिक मजबूत बनाने पर बल दिया। साथ ही चेतावनी दी गई कि ड्यूटी में लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा जनता के प्रति असंवेदनशीलता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

निरीक्षण उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि थाना प्रबंधन को आधुनिक, जवाबदेह एवं जनहितैषी बनाया जाए, जिससे प्रत्येक नागरिक को प्रभावी पुलिस सेवा प्राप्त हो सके। आगर मालवा पुलिस जिले में शांति, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था एवं जनविश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर सक्रिय एवं प्रतिबद्ध है।

फैजल खान ने राष्ट्रीय रोडिंग प्रतियोगिता में रचा इतिहास

चंडीगढ़ की सुखना लेक में गोल्ड जीतकर आगर मालवा जिले का नाम किया रोशन

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के छोटे से गांव पीपलिया शाह के होनहार खिलाड़ी फैजल खान ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे जिले और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। चंडीगढ़ की प्रसिद्ध सुखना लेक में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी रोडिंग चैम्पियनशिप में फैजल खान ने गोल्ड मेडल जीतकर बड़ी उपलब्धि अपने नाम की।

फैजल खान ने डबल स्कल बोट कैटेगरी की 500 मीटर रेस में दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। देशभर की नामी विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों के बीच हुए कड़े मुकाबले में फैजल ने



अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा का शानदार परिचय दिया।

प्रतियोगिता में एलपीयू और पीयूसी जैसी मजबूत टीमों ने भी हिस्सा लिया था, लेकिन फैजल खान ने बेहतरीन तालमेल और आत्मविश्वास के साथ जीत दर्ज कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

फैजल खान वर्तमान में भोपाल स्थित रवींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनकी इस सफलता के पीछे कोच अर्जुन सिंह का विशेष मार्गदर्शन, कठोर अभ्यास और परिवार का सहयोग महत्वपूर्ण रहा।

ग्राम पीपलिया शाह पंचवैती डेम के निवासी फैजल खान, सावि

उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है, वहीं पूरे गांव और क्षेत्र में गर्व की भावना देखी जा रही है। ग्रामीनों, खेल प्रेमियों और युवाओं ने फैजल की इस सफलता को जिले के लिए प्रेरणादायक बताया। फैजल खान की इस ऐतिहासिक जीत पर गाँवदे सिंह राजपूत, सोहेल खान सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि फैजल ने साबित कर दिया कि छोटे गांवों से निकलकर भी खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा मुकाम हासिल कर सकते हैं। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने की उम्मीद जता दी।

सुसनेर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कंठाल नदी में चला विशेष सफाई अभियान

नगर परिषद अध्यक्ष सोनी ने खुद जेसीबी चलाकर किया श्रमदान, जल संरक्षण की दिलाई रापथ

सुसनेर/गिरिराज बंजरारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सुसनेर द्वारा रविवार को जल गंगा संवर्धन अभियान में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत मेला ग्राउंड स्थित कंठाल नदी में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नदी में फैली गंदगी एवं जलकुंभी को हटाने का कार्य प्रारंभ किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने स्वयं जेसीबी मशीन चलाकर सफाई कार्य में भाग लिया और श्रमदान कर आमजन को स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी ओपी नागर ने नदी क्षेत्र में पहुंचकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा कर्मचारियों के साथ मिलकर



श्रमदान भी किया। नदी में वर्षों से फैली जलकुंभी को हटाने के लिए नगर परिषद द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं जिससे जल प्रवाह सुचारू हो सके और नदी का प्राकृतिक स्वरूप पुनः लौटाया जा सके। नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने कहा कि

जल स्रोतों को स्वच्छ एवं संरक्षित रखना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है।जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नदियों एवं जल स्रोतों में गंदगी न फैलाए और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। अभियान के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. सौरभ जैन, पार्षद प्रतिनिधि पवन शर्मा, युगल किशोर परमार सहित नगर परिषद के अधिकारी, कर्मचारी एवं सफाई कर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने जल संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने की शपथ भी ली। अभियान के माध्यम से नगर परिषद द्वारा स्वच्छ और सुंदर सुसनेर बनाने का संदेश दिया गया।



सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गसमाश्रयेत्॥

सोमनाथ

विरासत के 75 साल

सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। 1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी, सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है। 75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।



इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें

मुख्य गतिविधियां

कलश यात्रा | भजन संध्या | ॐकार मंत्र का जाप
सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन | सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन

श्री सोमनाथ मंदिर परिसर, प्रभास पाटन | 8 से 11 मई, 2026

“ सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि
सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है। ”
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी (अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)



सोमनाथ की दिव्यता एवं भव्यता में दें योगदान और बनें
गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।
स्कैन करें।